



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 178]  
No. 178]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 12, 1984/चैत्र 23, 1906  
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 12, 1984/CHAITRA 23, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य मंत्रालय  
(आयात व्यापार नियंत्रण)

आदेश सं. 2/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 1/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

कां. आ. 283 (अ)।—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधि-  
नियम 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का  
प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद् द्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी  
पश्चिमी अफ्रीका मंच को छोड़कर, किसी भी देश से भारत में कच्चे माल  
और मंचटकों की वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) द्वारा निम्नलिखित  
शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।—

- (1) आयात की जाने वाली मर्चें आयात एवं निर्यात नीति 1984-85  
के परिशिष्ट 2, 3, 4, 5 और 8 के अन्तर्गत नहीं आती हैं।
- (2) इस लाइसेंस के अधीन उपकरण आयात करने की अनुमति नहीं  
दी जाएगी।
- (3) कच्चे माल एवं मंचटक वास्तविक उपयोगिता शर्तों के अधीन  
हों अर्थात् संबद्ध वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) के खुद  
के उपयोग के लिए अपेक्षित हों।
- (4) वास्तविक उपयोगिता इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई  
मर्चों के उपयोग एवं उपयोग का निर्धारित प्रपत्र एवं विवि-  
गुणार उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधि-

कारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा विनिर्दि-  
ष्ट समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

- (5) माल की निकामी के समय, वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक)  
वास्तविक उपयोगिता के रूप में संबद्ध प्राधिकरण के पास अपने  
औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस पंजी-  
करण की म. और तारीख विनिर्माण के उत्पाद (उत्पादों)  
के विवरण देने हुए और इस बात की पुष्टि करने हुए सीमा  
शुल्क प्राधिकारी को एक घोषणा पत्र भेजेगा कि (1) ऐसा  
लाइसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या वापस नहीं लिया  
गया है या उसे अन्यथा रूप से प्रभावहीन नहीं किया गया है  
और (2) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल उनके  
औद्योगिक लाइसेंस/संबंधित प्रमाणक प्राधिकारी के पास औद्यो-  
गिक एकक के रूप में पंजीकरण के नियम और शर्तों और उनके  
अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम के बिल्कुल अनुसार है।  
प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा अलग से लाइसेंस पंजीकरण संख्या  
नहीं दी गई है, आयातक को सीमा शुल्क प्राधिकरण को  
सन्तुष्टि के लिए इस संबंध में अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे  
कि वह लाइसेंसधारी है/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत  
है और आयात करने के लिए पात्र है। माल की निकामी के  
समय, वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) यदि कोई हो, को  
प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य संबंधित प्राधिकारी द्वारा उनके  
लिए अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम की एक प्रमाणित  
प्रति भी भेजेगा।

- (6) महानिदेशक, तकनीकी विकास के एककों और वस्त्र मशीनरी विनिर्माण एककों द्वारा संघटकों का आयात 1984-85 के लिए संगत आयात नीति में निर्धारित सूची साध्यांकन क्रियाविधि के अधीन होगा। महानिदेशक, तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त के साथ पंजीकृत और चरणवार विनिर्माण कार्यक्रम के अधीन के वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी के समय संघटकों की एक सूची भेजेंगे जो आयात के लिए विधिवत घोषित होगी और महानिदेशक, तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त द्वारा साध्यांकन होगी या महानिदेशक तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त के साध्यांकन के लिए जो सूची भेजी गई थी उस पर इस संबंध में एक घोषणा होगी कि प्रस्तुत की गई सूची वही है जो महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात और निर्यात नीति सेल) उद्योग भवन, नई दिल्ली अथवा वस्त्र आयुक्त जैसा भी मापला हो, को भेजी गई थी और वह महानिदेशक, तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त को प्रस्तुत की तिथि से 30 दिनों के भीतर वास्तविक उपयोक्ता द्वारा वापस प्राप्त नहीं हुई है। जहां आयात की निकासी ऐसी की गई घोषणा के आधार पर की जाती है तो संघटकों की निकासी एवं उनकी मात्रा/मूल्य की संख्या वास्तविक उपयोक्ता द्वारा महानिदेशक, तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त की सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी के 30 दिनों के भीतर दी जाएगी।
- (7) उपर्युक्त दर्शाई गई सूची साध्यांकन क्रियाविधि उन एककों के लिए भी लागू होगी जिनके चरणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम समाप्त हो चुके हैं।
- (8) जिन वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी के अस्थायी पंजीकरण है, वह भी इस लाइसेंस के अधीन कच्चे माल और संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिए पात्र होगा।
- (9) जिन वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया ऐसा पंजीकरण प्रमाण पत्र है जिसे विशेष रूप से "प्रस्तावित" चिह्नित किया गया है तो वे भी कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिए इस लाइसेंस के अधीन पात्र हैं, परन्तु उनके मामले में वास्तविक उपयोक्ता की ओर से राज्य औद्योगिक विकास निगम या राज्य वित्त निगम को आयात की अनुमति केवल तब होगी जब निकासी के समय यह साध्य प्रस्तुत किया जाए कि संबंध वास्तविक उपयोक्ता ने आयातित माल के लागत-वोमा-भाड़ा मूल्य के 25% के बराबर मूल्य के लिए बैंक गारन्टी के साथ इस संबंध में एक बान्ड भेजा है कि वास्तविक उपयोक्ता आयातित माल का उचित उपयोग करते वाले यूनिट के समर्थन में प्रायोजक प्राधिकारी से एक प्रमाण पत्र संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।
- (10) बड़े पैमाना क्षेत्र के सभी औद्योगिक एकक इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्चों के व्योरे और मूल्य को दर्शाने हुए मर्च के लिए यथा उपयुक्त एक आवधिक विवरण, महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या अन्य सम्बद्ध प्राधिकारी और इलेक्ट्रॉनिकी विभाग को भेजेंगे। लघु पैमाना क्षेत्र के औद्योगिक एककों को उसी प्रकार के विवरण सम्बद्ध क्षेत्रीय आयात लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजने चाहिए। ये विवरणी 30 सितम्बर, 1984 और 31 मार्च, 1985 के अनुसार भेजे जाएंगे। ऐसा प्रत्येक विवरण दर्शाई गई अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (11) ये लाइसेंस आयात (नियंत्रण, आदेश, 1955 की अनुसूची-3 की शर्त-1 के अधीन भी होंगे।
- (12) मानव निर्मित रेणों, मोटे सन और तागों कच्ची ऊन/विकनी ऊन/गटेला ऊन जो कि माफ अथवा कच्ची न की गई हों, अंगोरा बकरी के बाल (मोहेयर), बूलन रेस/सिथेटिक रेस/शोडी वूल के संबंध में पात्र आयातकों को अपनी संविदाएं वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास पंजीकृत करवाना चाहिए। आयात तभी किए जाएंगे जब संबंधित संविदाओं पर वस्त्र आयुक्त, बम्बई द्वारा ऐसे पंजीकरण के साध्य के रूप में मोहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिए संविदा की दो प्रतियां वस्त्र आयुक्त के पास रखी जाएंगी और वह आयातक को माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों के प्रस्तुतीकरण के लिए एक प्रति वापस कर देगा जिसके प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत मोहर लगी होगी। बाद के ठेकों के पंजीकरण के समय, पात्र आयातकों को एक विवरण भी प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें पूर्व पंजीकृत सभी ठेकों के संबंध में आयातों में की गई प्रगति और आयातित माल का उपयोग निपटान दर्शाया जाना चाहिए।
- (13) जैसा कि ऊपर 11 में दिया गया है वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास संविदा के पूर्व पंजीकरण से संबंधित शर्तों के अधीन पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं के वितरण के लिए मानव निर्मित रेणों, मोटा सन और तागे भी इस लाइसेंस के अधीन भारतीय राज्य व्यापार निगम (एस टी सी), नई दिल्ली द्वारा आयात किए जा सकते हैं।
- (14) डी एम ए /टी पी ए के आयात के मामले में आयात की स्वीकृति केवल ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) के पास पंजीकृत संविदाओं के आधार पर दी जाएगी। ऊर्जा विभाग के पास संविदा पंजीकृत करवाने की प्रक्रिया वही होगी जो ऊपर (2) में दी गई है।
- (15) सोडा ऐश, पी वी सी रेजिन, बुड पल्प, कास्टिक सोडा और खुले मामान्य लाइसेंस के अधीन आने वाली संश्लिष्ट रबड़ की सभी किस्में और तांबा कतरन/तांबा मिल स्केल के लिए पात्र आयातकों को अपनी संविदाएं महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात-निर्यात नीति सेल), उद्योग भवन, नई दिल्ली के पास पंजीकृत करवानी चाहिए। महानिदेशक, तकनीकी विकास के पास पंजीकरण की प्रक्रिया वही होगी जो ऊपर (2) में दी गई है।
- (16) (1) ऊनी चिथड़ों/रद्दी ऊन/संश्लिष्ट चिथड़ों के मामले में आयातित माल की निकासी सीमा शुल्क निकासी माल के पूर्ण विकृत होने के बाद ही दी जाएगी।
- (2) इस प्रयोजन के लिए ऊनी चिथड़ों की परिभाषा इस प्रकार दी गई है :—
- (क) "नए" ऊनी कपड़े के अवशेष चाहे वह बुने हुए या कटाई किए हुए कपड़े के हों और जो बम्बो की कटाई करने के बाद बच जाते हों इन से रज्जों द्वारा काट दिए गए वास्तविक टुकड़े, त्याग दिए गए नमूने और सैम्पल के टुकड़े भी शामिल हैं।
- (ख) "पुनर्नये"—ऊनी कपड़े के वे विषय (कटाई किए हुए और काटे से बुने हुए कपड़े सहित) जो रज्जों या रज्जों के विनिर्माण के लिए आवश्यक हों और उनमें मजदूरी मटे या फटे हुए कपड़े, मटे कपड़े या ऐसे कपड़े शामिल हों जिनकी सफाई या मरम्मत न की जा सकती हो।
- (3) यह परिभाषा गणितीय विधियों के लिए आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।

- (17) कच्चे काजू की गिरी के मामले में, भारतीय काजू निगम, इस संवत्स में नीति के अनुसार वास्तविक उपयोक्ता (संसाधन एककों) को विवरण करने के लिए इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात करने के लिए भी पात्र होगा।
- (18) कच्चे काजू की गिरी के मामले में आयात सहित उससे निर्यादन के 7 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय काजू निगम के पास आयातक द्वारा पंजीकृत कराई जाएगी।
- (19) इस लाइसेंस में आयात के लिए अनुमत कानून इस्पात की मर्दों और मिश्रित इस्पात की मर्दों के मामले में, पात्र आयातकों को ऐसी संविदा करने की तारीख से 15 दिनों के भीतर लोहा एवं इस्पात निर्यातक, कलकत्ता या उनके किसी क्षेत्रीय कार्यालय के पास अपनी आयात सविदाओं का पंजीकरण करना पड़ेगा। लोहा एवं इस्पात, निर्यातक के पास पंजीकरण करवाने की प्रक्रिया घटी होगी जो उपर (2) में दी गई है।
- (20) इस लाइसेंस के अधीन आने वाली लोहा तथा इस्पात मर्दों के मामले में शोधक कंपनियाँ भी निर्धारित शर्तों के अधीन आयात करने के लिए पात्र होगी।
- (21) महामारी नाशक और घास-पान नाशी सहित कीटनाशक के मामलों में सम्बद्ध वास्तविक उपयोक्ता (श्रीद्योगिक) प्रत्येक साल के पर्यटन की तिकामी के साथ दिनों के भीतर आयातित मर्द, उनकी मात्रा और उसके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के व्योम कृषि विभाग (वनस्पति संरक्षण विभाग), नई दिल्ली को सूचित करेगा।
- (22) पॉलिमिलिकॉन, धातुकर्माय श्रेणी की मिलिकॉन से भिन्न एकल क्राइस्टल मिलिकॉन इत्यादि/बार्ने/गहम, डिप्यूड बेकर से भिन्न मिलिकॉन बेकरी, डाइमिज और चिप्स के मामले में आयात संविदा माखपत्र खोलने से पहले इन्फेस्ट्रानिक्की विभाग, लोकनायक भवन, नई दिल्ली से पंजीकृत कराई जाएगी। इन्फेस्ट्रानिक्की विभाग द्वारा ऐसे पंजीकरण के माध्य के रूप में संबंधित संविदा पर अपनी मोहुर लगा देने के बाद ही आयात किया जाएगा।
- (23) अविनिमित्त हाथी दान के मामले में आयात की अनुमत जंगला फाउना और फ्लोरा की संकरापत्र जातियों पर अन्तराष्ट्रीय व्यापार समझौते (सी आई टी ई एस) के विनियमों के अधीन ही जाएगी। आयात की अनुमति केवल क्षेत्रीय निवेशक जंगली जीव संरक्षण, पर्यावरण विभाग द्वारा निरीक्षण करने पर दी जाएगी।
- (24) शीम और स्टेडक नेल के मामले में 10,000/- रु० तक आयात किया जा सकता है। धर्तों कि भारतीय नेल निगम, नई दिल्ली ने अनापति प्रमाण पत्र जारी कर दिया है।
- (25) इस लाइसेंस की अनुसूची की कुछ मर्दों के मामले में विशेष उद्योगों के नामों का उल्लेख किया गया है। इन मर्दों के लिए संबंधित उद्योगों में मर्द हुए केवल वास्तविक उपयोक्ता (श्रीद्योगिक) ही आयात के लिए पात्र होंगे।
- (26) इस लाइसेंस की अनुसूची के भाग 3 के अधीन आने वाला मर्द, खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन वास्तविक उपयोक्ता (श्रीद्योगिक) और अन्यो द्वारा भांडार एवं बिक्री के लिए आयात की जा सकती है।
- (27) कतरन के रूप में आयातित पीतल/तांबा पाइपस और द्यूडस के मामले में लम्बाई में उनका आकार 15 मी० से अधिक अधिक नहीं होना चाहिए जब तक कि उनका आयात हाइड्रोलिक सभी प्रेस ट्रिक्वेड्स में कतरन के रूप में नहीं किया जाता।
- (28) इस लाइसेंस के अधीन आयात द्वारा सम्बद्ध श्रीद्योगिक एकाक का उत्पादन स्वीकृत पात्रिकृत क्षमता में अधिक नहीं होगा और

सम्बद्ध एकक अपनी अनुमोदित खरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अनुपालन का सुनिश्चय करेगा।

- (29) इस प्रकार आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका मर्ष/शक्ति पश्चिमी अफ्रीका में तैयार प्रथम विनिर्मित नहीं किया गया हो।
- (30) इस प्रकार के भाग के पंतलदान किसी भी रियायती अवधि बाढ़े जो कुछ भी हो, के बिना 28-2-1985 का या इससे पूर्व खोले/स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय माख-यंत्रों के मर्द 31 मार्च, 1985 को या वास्तविक उपयोक्ता (श्रीद्योगिक) के मामले में 30 जून, 1985 को या इससे पूर्व भारत के लिए पर्यटन के माध्यम से कर दिए जाते हों।
- (31) किसी भी साल के आवेदन पत्र पर उनके आयात पर कोई भी निषेध या विनियम जो उस साल का आयात करते समय लागू थे, प्रभावित करते हैं तो उनका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं होगा।
- (32) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोक्ता (श्रीद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे दायित्व या किसी दायित्वकता को अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या शील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू सभी अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

खुले सामान्य लाइसेंस सं० 1/84 दिनांक 12 अप्रैल, 1984 की सूची

खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमय कच्चा माल, संघटक और उपभोग्य सामग्री।

#### भाग-1

केवल वास्तविक उपयोक्ता शर्तों के अधीन वास्तविक उपयोक्ताओं (श्रीद्योगिक) का आयात के लिए अनुमय मर्द :-

1. लिखने के प्रोशरों के लिए एक्जिक/पॉलिएस्टर फाइबर टिप्स, पॉलिएस्टिल टिप्स, और एक काट्रिज
2. एल्का एमाइल मिनीमिक एलिहाइड
3. एमाइल अल्कोहल
4. एन्टीमनी आकराइड
5. गामा किस्म के बैटरी टिप्लोराइड, रसायन
6. वेरिलियम तांबा स्प्रिंग
7. वाइफरकेटिड और टेबुलर रिबेड्स
8. बिलियाडें टेबल के लिए बिलियाडें कलाथ, रबड़ कुशन
9. बिस्मथ
10. ब्लैक पेपर (फोटोग्राफिक ग्रेड)
11. कतरने वाली और ट्रोपिंग केवल वस्त्र मिलों के लिए मशीन के आने
12. ब्लोचिंग ग्रय
13. मेल्फ्यूज एसिटेड/नाइट्रेड शीट
14. 375 एस एम ब्रान तक के सेंटीग्रेडली कास्ट सीमलेस इस्पात पाइपस और द्यूड्स (जिसमें जंगलरोधी इस्पात भी शामिल है)
15. 1200 सेंटी से अधिक तापमान पर लागू केमिकल्स पॉसिलेन बेयर और सिरेमिक
16. नोरोनेटिड डिफिनायन

## 12. निम्नलिखित मिलित इजीनिटिंग शीटें —

- (1) स्टेन ट्रायड्यूम्स
- (2) स्टेन ट्रायड्यूम्स
- (3) डिस्क्लेमेट ट्रायड्यूम्स
- (4) प्रेस ट्रायड्यूम्स

## 18. काटन लिटर्स

## 19. बनावट के विनिर्माण में प्रयुक्त होने वाले तांबा/गोल्ड/मिनिम/माइक्रो-मेटल शीटें

(केवल मुद्रण युक्तियों के लिए)

## 20. कागज मॉन्ड्रम (लगातार बिनेट मधुर्ण इम्पान संयंत्र, मिल इम्पान फास्टिंग के लिए (मधुर्ण और विद्युतीय आर्क पन्ने)

## 21. भाडा आधाराओं के कार्बन फास्टिंग

## 22. कपों निरुत (जैसे जर्मन चादी, निरुत चादी आदि) सेमिंग, प्लेट उन्नाद और नार

## 23. माइक्रोनिगिक क्लोराइड

## 24. टीब मॉन्ड एन्सुडोकोम के लिए डाउन

## 25. डिस्कलेमेटिंग एमिड

## 26. डिमिशन एमिडमाइड

## 27. टेन्ट्राम मॉन्ड्राइड

## 28. भाडा आधाराओं के डोर जंलम

## 29. 2-गुणवत्तैकतामाइड एमिड (साफ्टमाइड एमिड)

## 30. 65/195 सेज के या इससे अधिक अच्छे एन्डलेम डिगल वायर

## 31. एन्सुमी प्लास्टिमाइड

## 32. एन्सुम रमायन अग्रान् एडिटिव फिलिमन एन्सुम (केवल मुद्रण युक्तियों के लिए)

## 33. फिलम स्पिनम

## 34. इम्पेगनेटिव सहित फिल्टर कागज

## 35. हाई सील/नान-हीटसील फिलम के चाय के थैलों के लिए फिल्टर कागज (केवल चाय के थैलों के विनिर्माताओं के लिए)

## 36. एन्सुम, केवल हाफ कपलम, स्ट्राइट एडाप्टम और ब्रेट एडाप्टम

## 37. पोलिफिलिमाइड (डिस्क्लेम) पर आधारित प्लेकोलेटिंग एन्सुम

## 38. फर्फेलमाइड

## 39. एन्सुमी डिस्क्लेम

## 40. गैम लाइटर अग्रान्

## 41. ग्लान माटो फाइबर पेपर फिल्टर्स

## 42. ग्लान फिलम और कटैक्ट फिलम (प्रे और माटेरा)/कवर फिलम (केवल मुद्रण युक्तियों के लिए)

## 43. ग्लानरीन

## 44. गनमेटल ब्रेशेज

## 45. हाई एन्सुमिग फिल्टर

## 46. हेक्साफ्लोरोएथेन

## 47. उच्च क्षमता की डी सी और वुलैम मोटर

## 48. मोर्य र्जो उपस्कर के लिए उच्च क्षमता के पम्प

## 49. इलेक्ट्रिक पेपर बोर्ड इन्सुलैटर्स और केवल फिलिंग आयल/कपाउण्ड के लिए इम्पेगनेटिंग आयल (केवल उद्योग में लगी हुई युक्तियों के लिए)

## 50. पाउडर (रक्त किम्म में मिश्र) सहित इन्सुलैटिंग डायमण्ड

## 51. इन्सुलैटिंग-ब्रेशेज

## 52. इन्सुलैटर्स

## 53. आइसो एमाइल अन्कोइल

## 54. 1 मीटर और इससे अधिक के निम्नलिखित जम्बो रोलर्स —

- (1) मिनेमाटोफ्राफिक रंगीन फिलम (अप्रदर्शन) पाजिटिव
- (2) एम्बेयुग रोल फिलम
- (3) ओपिक आर्ट फिलम
- (4) ओपोगिक एम्बेयुग फिलम
- (5) चिपिया एम्बेयुग फिलम
- (6) फोटोफ्राफिक रंगीन पेपर

## 55. लेड ग्लान ट्यूबिंग

## 56. एन्सुम, फिलिम, इन्सुलैटर्स और इन्सुम सहित लेड स्त्रीप

## 57. विद्युत्ताफिक कोटेड प्लेट्स

## 58. (1) परकोरेटिंग स्विटिंग, कजिग आदि के लिए विद्युत्त रूम

- (2) एन्टी आफ-मेट स्त्री पाउडर (केवल मुद्रण युक्तियों के लिए)

## 59. पी.बी. में उपयोग के लिए दीर्घ काल तक चलने वाली बैटरी

## 60. मेल आर्टज

(केवल वस्त्र उद्योग के लिए)

## 61. पी.बी. में उपयोग के लिए निम्न वोल्टेज, उच्च घनत्व के विद्युत्तीय बन्ध और ट्यूब

## 62. मैगनीशियम पाउडर

## 63. गोटरी प्रेस के लिए मेटल प्लेट्स

## 64. मिश्र मेटल

## 65. मॉलिब्डेनम पर आधारित ग्रीम और स्नेहक

## 66. औद्योगिक मिलाई मशीन के लिए मुडियां

## 67. निकल कैडमियम बैट्रियां और संयंत्र, उनके पुर्ज

## 68. तान-वाइतर फील्ड डिस्चार्ज रेसिस्टर्स

## 69. नाइलान मोनो फिलामेंट क्रिस्टल

## 70. नाइलान आंशिक रूप में प्रि-ओरिएण्टड यान (एन ओ वाई)

## 71. नाइलान बेस्ट

(केवल महानिदेशक, तकनीकी विकास द्वारा यथाप्रमाणित कंट्रोलेक्टम की वसूली में लगे हुए वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक))

## 72. पेपर बेस्ट, लुगदी कागज और कागज बोर्ड के विनिर्माण में लगी हुई युक्ति ।

## 73. परबलोरोग्थिलीन

## 74. चमड़े के लिए पिपेट फिनिश

## 75. पोलिएस्टर स्टेपल फाइबर

## 76. धातुबद्धन बर्मे मिलिकान को छोड़कर पालिमिलिकान मिगल क्रिस्टल मिलिकान इगोट/बाम/गड्स

## 77. दोबारा विधलन के प्रयोजन के लिए शुद्ध लोहा (अपरिष्कृत रूप में)

78. क्वालिटी कंट्रोल फिल्म स्ट्रिमिंग और ट्रायल  
(केवल मूद्रण यूनिटों के लिए)
79. क्वार्टर ग्लास और उनके उत्पाद
80. रेडियो एक्टिव सामग्री
81. रेजर अथवा आक्साइड जिममें स्टारल मेड भी शामिल है  
(वास्तविक उपयोगता, परमाणु ऊर्जा विभाग से सिफारिश प्रस्तुत करने पर)
82. रेयन ग्रेड वुड पल्प
83. मशीन ड्राफ्टिंग के लिए रबड़ ब्लैकट्स, रबड़ कोट और एपगन और ब्लू क्राईम के लिए कंटैमिनेटिंग एपगन
84. सैमर्स/टर्मिड्यूसर्स
85. शटल काक बाटम
86. डिफ्यूज्ड बेफर्स, डाइमि और बिप्स में भिन्न मिलिकान बेफर्स
87. मोडियम मेथाक्साइड
88. मोडियम मन्फेट
89. निम्नलिखित विशिष्टिकृत टिण्डर :—  
(क) कार्बोनाइजिंग टिण्डर, और  
(ख) कलर्ड और पेट्रोल मिग्रेट टिण्डर
90. स्टोपर हैड्स और नोजल्स जिनमें फायर क्ले, स्टोपर हैड्स और नोजल्स शामिल नहीं हैं।  
(सम्पूर्ण इस्पात संयंत्र)
91. मशीनल रूपी जिस पर काम न किया हुआ है।
92. टेक्नालॉजीशियली
93. टिटैनियम स्पॉज
94. ट्राईंग नोबिल फेनिल फास्फाईट
95. टाइप हाई नम्बरिंग मशीन
96. उपयोग किया हुआ/स्क्रैप रबड़ टायर्स/ट्यूब्स रबड़ रिक्लेमिंग में  
(निर्यातक देश से पोतलदान करने से पहले लगी हुई यूनिट।  
या सीमाशुल्क निकासी से पहले प्रत्येक टायर/  
ट्यूब पर कम से कम एक कट होना चाहिए)
97. विस्कोम स्टेपल फाइबर जिममें पालिनामिक फाइबर/टो भी शामिल है।
98. वैक्स डमन्यन्स
99. इलेक्ट्रानिक संघटकों को छोड़कर मशीन औद्योगिक  
ऑजार, मशीनरी उपकरण, यंत्र और अन्य  
इंजीनियरी मशीनों के सभी संघटक (टिकाऊ  
उपभोग्यो सहित) जो खुले सामान्य लाइसेंस  
के अन्तर्गत आते हैं।
100. इलेक्ट्रानिक उद्योग के लिए अपेक्षित निम्नलिखित कच्चे माल,  
संघटक और उपभोग्य सामग्री :—  
(1) फेनोलिक/एम आर बी पी/गिरामिक बेस/मस्मटैक्ट  
(2) कंडक्टिव/रिमिस्टिव कम्पोजीशंस  
(3) स्प्रेडल, पी सी पिस जैसे टर्नड पुर्जे  
(4) टैग्स, वाइपर जैसे प्रेस्ट पुर्जे  
(5) कैमिंग या डाई कास्ट, प्रेस्ट मोल्डिड  
(6) विशेष मिश्रण  
(7) मल्टिपल पॉटर्स के मोल्डिड पुर्जे
- (8) सीलिंग सामग्री
- (9) प्रतिरोधक/कंडक्टिव स्यात्री
- (10) क्राउन और प्रिमिशियन धातु सहित विभिन्न आकारों में कंडेक्टर
- (11) कंडेक्ट कैबिंग्स
- (12) "ओ" रिंग्स
- (13) परिशिष्ट 3 भाग, क और 5 भाग, क में शामिल किए गए में भिन्न विभिन्न विशिष्टिकरणों के प्रतिरोधक तार
- (14) ट्यूबेटिड कापर वायर और फिनालिक जैसे भांडाईंग के फार्मर्स
- (15) सिरेमिक बेसिस
- (16) मेटल कार्बन के कंडेक्टर और उनके कम्प्लेक्शंस
- (17) प्रेस्ट कम्पोजेन्ट्स
- (18) टिन्ड कम्पोजेन्ट्स
- (19) इपोक्सी पेंट
- (20) इपोक्सी थिनर
- (21) इपोक्सी हाईनर
- (22) पोलिप्रोपिलीन फिल्म (प्लेन/मेटालाइज्ड)
- (23) कापर बेरिलियम फॉर्मिड उत्पाद
- (24) तांबे का तार/स्ट्रिप्स (आक्सीजन से मुक्त किस्म की)
- (25) ग्रेफाइट जिम्स
- (26) लेमिनेशन/म्यू-मेटल की स्ट्रिप्स/रडियांस मेटल
- (27) लिटम वायर/रेयन युक्त तांबे का तार
- (28) "को वाग" और निकल इस्पात की मिश्रधातु/कोबाल्ट सभी प्रकार की।
- (29) डिजिटल कार्टिजिज/कम्पेड

## भाग - 2

वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) द्वारा वास्तविक उपयोगता शर्त के अधीन आयात के लिए और निर्यात सदनों/व्यापार सदनों द्वारा वास्तविक उपयोगता शर्त के अधीन वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) के बेचने के लिए नीति के अनुसार आर० ई० पी०/अनिरिक्त लाइसेंसों के मुद्दे आयात के लिए अनुमेष मर्दे :—

- एकलिक मोल्डिंग पाउडर
- किसी भी फार्म/शेष/संरक्षण में अलाय स्टील
- एन्यूमिनियम ग्लाईमिनेट
- 99.99 ०/० शुद्धता के एन्यूमिनियम वायर/स्ट्रिप्स
- 4 : 4 बेजोडाइन, 2 : 2 डाई-मलफोनिक एमिड
- डनैक मेन्टर्ड बोर्ड
- क्लीचिंग पाउडर और हाइपो क्लोराइड्स
- कास्टिक सोडा
- 200 मेग के कार्क-वुड कार्क वेस्ट और कार्क उस्ट और कार्क पाउडर
- 12 बोल्ड्स और 20 बाट तक के टी सी गाइड्स मोटर्स/स्टेपर मोटर्स/मर्बी मोटर्स ए सी मिन्को मोटर्स रेटिंग के संघटक

11. रिने कनवर्टर्स और स्विचम के संघटक
12. डी० एम० टी०/टी० पी० ए०
13. ओषध/ओषध मध्यस्थ
14. रजक मध्यस्थ
15. स्थापत्य ग्लार्सकोप
16. यू.कलिट्म गम चिप्स
17. ज़िरेनियम तेल
18. थर्मामीटरों के लिए ग्लाम कैपिलरी ट्यूबिंग
19. जी एल एम लैम्पस् के लिए ग्लाम शैल
20. हार्ड ग्रेड मोलिब्डेनम अयस्क, मोलिब्डेनम धातु, जिसमें स्कैप, मोलिब्डिक आक्साइड, मोलिब्डेनम ओक्साइड, मोलिब्डेनम पाउडर शामिल हैं।
21. आयोडीन
22. आइसरी अन-मैग्नेटिकल
23. कैंटनाशी, महामारीनाशी और घास-घात नाशी
24. लिथो-पीन
25. मनुष्य निर्मित फाइबर/यार्न, जो भाग-1 और 3 में हैं उनमें बिना
26. मरकरी/मरकरी एमोनियेटिड
27. निम्न प्रकार के मैथिल क्लोरोसिलेस:—
  - (1) डिमैथिल डिक्लोरोमिलेन
  - (2) मेथिल ट्राइक्लोरोमिलेन
  - (3) ट्राइमेथिल क्लोरोमिलेन
  - (4) आक्टाडेथिल साइकल टेट्रामाक्मेनेस
  - (5) हेक्सामिथिल डिमिलाक्सेस
28. माइक्रोवेव कम्पॉनेट सभी प्रकार के
29. नैप्थालीन क्रेड
30. प्राकृतिक सुगन्धित तेल
31. नाइट्रिक एसिड
32. पाराक्लोरा बैजोइक एसिड
33. पाराक्लोरो टोल्यून
34. पारा टरशरी ब्यूटाइल फिनॉल
35. फास्फोरस एसिड
36. फास्फोरिक एसिड (ओद्योगिक श्रेणी से भिन्न)
37. पिच
38. प्लेन/मैटेलाइज्ड कन्डेंसर टिगु पेपर
40. प्लेन/मैटेलाइज्ड क्राफ्ट/टिगु पेपर
41. पोलि कार्बोनेट (थर्मोप्लास्टिक, कच्ची सामग्री)
42. पोलि-कार्बोनेट मोलिब्डेनम पाउडर/प्रेम्युम
43. पोटाशियम क्लोरेट
44. पोटाशियम कैरी साइनाइड
45. डेप डेक पैकेजिंग के लिए प्रैम किए हुए/पंच किए हुए धातु के पुर्जे और ब्राइकास्ट पुर्जे
46. पी टी एफ ई फीब्रिक/कैस्ट/पेज
47. पी बी सी रेजिन
48. कच्चे काजू
49. कच्ची ऊन/ग्रीसी ऊन/स्कोरड ऊन (कंधे की हुई या साक की हुई नहीं)/अंगोरा बकरी के बाल/मोहेयर
50. शैल/कैंडी लाइ
51. सोडा ऐश
52. साल्वेट्स
53. क्रिस्टल/इनमोनुबन सल्फर सहित 20 ०/० अवल ट्रोपिड सल्फर
54. सिन्थेटिक रबड़ जैसे ब्यूटाइल रबड़, निओप्रिन/क्लोरोप्रिन, हार्डवालीन, जिडन, पी टी एक ई और ई पी डी एम
55. टारट्रिक एसिड
56. टिन फॉयल
57. ट्रेसिंग पेपर
58. टंगस्टन डिस्क/टंगस्टन कण्टेक्डम
59. टंगस्टम लवण
60. विटामिन बी-6
61. वूलन रैगम/सिन्थेटिक रैगम/गोडी ऊन
62. 99.99 ०/० शुद्धता के जिक तार

## भाग - 3

1. वास्तविक उपयोगिता और अर्थों द्वारा सश्रृंखलित करने और बिक्री के लिए आयात करने के लिए अनुमति भर्तः—

1. एल्फ़ामिनियम स्कैप/ड्रॉम
2. ग्रास स्कैप/एश/ड्रॉम
3. कापर स्कैप/कापर मिल स्कैप
4. टिन ड्राम/एश/रेजिड्यूज और टिन अलाय/रेजिड्यूज
5. जिक स्कैप/जिक अलाय स्कैप/एश/ड्राम।
6. निकल सिल्वर स्कैप/(जर्मन सिल्वर स्कैप)।
7. चमड़े को कमाने के लिए बैटल छाल।
8. बैटल सत।
9. अम्लमाजित चर्म, खाल, वेल्डम, स्विट्स और उनके भाग।
10. चर्म और खाल, कच्ची या तबणित जहां कि चर्म और खालों का मुख्य उनके ऊपर के ऊन/बालों से अधिक हो।
11. बैट ब्ल्यू क्रोम कमाया हुआ और तैयार चमड़ा।
12. बबराचों सत, चेस्टनट सत और आशोधित यूकेलिप्टस सत (मिरटेन)
13. बबूल का रोव
14. 600 डेनियर से कम (प्रथम श्रेणी) के विस्कोस फ़िब्रामेंट यार्न
15. कप्रेमोनियम फ़िब्रामेंट यार्न और एसिडेट फ़िब्रामेंट यार्न (प्रथम श्रेणी)
16. मिरैगिक फाइबर
17. कार्बन फाइबर
18. पामिएस्टिस रेजिन
19. पालिमेथिल मेथाक्राइलेट प्लास्टिक क्लैम
20. पोलि-स्टेटो क्लोरोएथिलीन रेजिन
21. पालि कार्बोनेट रेजिन
22. स्टरीन एथिलिट नाइलाइल रेजिन

23. पोलिथीन रेजिन

24. टी बी पिक्चर ट्यूब के लिए ग्लास रीन

25. क्रोम धातु

26. मैंगनीज धातु

27. मैंगनीशियम धातु

28. मिल्बर पेस्ट/मिल्बर पाउडर मसरोशन

29. मैनेजियम धातु

30. मस्टीकेबल ट्रांजिट (केबल/वाइप मिनिंग सिस्टम)

31. टंगस्टन धातु

32. रंगीन टी० बी० सेट्स के उत्पादन के निम्नलिखित संघटक :—

(क) 36 से० सी० से अधिक और 20 के० बी० से अधिक के रंगीन टी० बी० रिसेप्स के लिए लाइन आउटपुट ट्रांसफार्मर्स/ई एच टी ट्रांसफार्मर्स (फोक्स पोटेंशियोमीटर के साथ या उसके बिना)

(ख) उच्च बोस्टेज के फोकस पाट

(ग) इन्टरमल डिस्चार्जिंग कापल ।

(घ) यूनिट्स डिस्चार्जिंग लाइन ।

(ङ) क्रोमिनेस डिस्चार्जिंग लाइन

(च) टी० बी० पिक्चर ट्यूब माकेट/सी आर टी माकेट ।

(छ) एस ए इन्फ्यू फिल्टर ।

(ज) सिरेमिक फिल्टर/ट्रिप

(झ) फ्यूजिबिल रेसिस्टर

33. उपर्युक्त भाग I तथा II में जो मद शामिल है उसमें भिन्न लागू नीति के अनुसार छुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत अनुमति सभ

of South Africa/South West Africa, raw materials, components and consumables by Actual Users (Industrial), subject to the following conditions :—

(1) The items to be imported are not covered by Appendices 2, 3, 4, 5 and 8 of the Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I);

(2) Instruments shall not be allowed to be imported under this licence;

(3) The raw materials, components and consumables are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the "Actual User" condition;

(4) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority, or any other Government authority within such time as may be specified by it.

(5) Actual User (Industrial), at the time of clearance of the goods, shall furnish to the customs authorities a declaration giving particulars of their industrial licence/registration as Actual User with the concerned authority, namely, the Number & Date of the Industrial Licence/Registration and the end-product(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative and (ii) the items imported under this Licence are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority concerned as an industrial unit and their approved phased manufacturing programme. In case, no phased manufacturing programme has been approved for them, they should say so in the declaration. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and eligible to the import made. Actual Users (Industrial) shall also furnish at the time of clearance of goods a certified copy of phased manufacturing programme, if any, approved for them by the sponsoring authority or other concerned authority.

(6) Import of components by DGTD units and textile machinery manufacturing units shall be subject to the List Attestation Procedure laid down in the relevant Import Policy for 1984-85, Actual Users (Industrial), registered with DGTD/Textile Commissioner and subject to phased manufacturing programme, shall furnish at the time of clearance through Customs, a list of components, duly cleared for import & attested by DGTD/Textile Commissioner or their own declaration on the list of Components that was furnished to the DGTD/Textile Commissioner for attestation, to the effect that the list produced is the same which was furnished to DGTD (Import & Export Policy Cell) Udyog Bhavan, New Delhi or Textile Commissioner, Bombay as the case may be and has not been received back by the Actual User concerned from DGTD/Textile Commissioner within 30 days from the date of the list was received in the DGTD/Textile Commissioner. Where import is cleared and such declaration, the components cleared and their quantity/value shall be intimated by the Actual User to DGTD/Textile Commissioner within 30 days of clearance through Customs.

(7) List Attestation Procedure mentioned above shall also apply to those units whose phased manufacturing programme is over.

(8) Actual User (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence;

(9) Actual Users (Industrial) having registration certificate issued by the sponsoring authority specifically marked "proposed" will also be eligible to import

## MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

ORDER NO. 2/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 1/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 283(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union

raw materials, components and consumables under this Licence, but in their case, the import will be allowed only to the State Industrial Development Corporation or State Financial Corporation on behalf of the Actual User, or on production of evidence, at the time of clearance, that the Actual User concerned has furnished a bond with a bank guarantee for a value equal to 25 per cent of the C.I.F. value of the goods imported, to the effect that the Actual User shall furnish to the licensing authority concerned a certificate of the sponsoring authority in support of the unit having properly utilised the imported material.

- (10) All Industrial Units in large scale sector shall submit to the DGT, New Delhi or other sponsoring authorities concerned, and the Department of Electronics, New Delhi, as appropriate to the item, periodical returns, indicating the description and the value of the items imported under this Licence. Industrial Units in the small scale sector should send similar returns to the regional licensing authorities concerned. These returns shall be furnished as on 30th September, 1984 and 31st March, 1985. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated.
- (11) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (12) In respect of man-made fibre, tow, yarns, raw wool/grease wool/scoured wool, not carded or combed angora goat hair (Mohair), woollen rags/synthetic rags/shoddy wool, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Textile Commissioner, Bombay. Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by the Textile Commissioner, Bombay, as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract shall be lodged with the Textile Commissioner. He will return one copy to the importer, duly stamped, on each page, for production to the customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of subsequent contract, the eligible importer shall also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation/disposal of the imported material in respect of all contracts earlier registered.
- (13) Import of man-made fibres, tow and yarns under this licence can be made by the State Trading Corporation of India (STC), New Delhi for distribution to eligible Actual Users, subject to the condition regarding registration of contracts with the Textile Commissioner, Bombay as in (12) above.
- (14) In the case of DMT TPA, import will be allowed only on the basis of import contracts registered with the Ministry of Energy, (Department of Petroleum), New Delhi. The procedure for registration of contracts with the Department of Petroleum, shall be the same as in (12) above.
- (15) In the case of Soda Ash, PVC Resin Wood Pulp, Caustic Soda and Synthetic Rubber of the varieties covered by OGL, and Copper scrap/copper mill scale, all eligible importers shall be required to register their contracts with the DGT (Import & Export Policy Cell, Udyog Bhavan, New Delhi. The procedure for registration of contracts with the DGT shall be the same as in (12) above.
- (16) (i) In the case of woollen rags/shoddy wool/synthetic rags, clearance of imported goods will be allowed by the Customs authorities only after the goods have been completely mutilated.
- (ii) Woollen rags for this purpose are defined as under :
  - (a) 'New'—waste woollen cloth whether woven or knitted which is left after a garment had been cut out including genuine tailor cutting piece

ends, discarded-pattern bunches and sample bits.

- (b) 'Old'—Rags of woollen textile fabrics including knitted and crocheted fabrics which are required for manufacture of shoddy yarn and may consist of articles of furnishing or clothing or other clothing so worn out, soled or torn as to be beyond cleaning or repair.
- (ii) This definition shall apply mutatis-mutandis to synthetic rags.
- (17) In the case of raw cashewnuts, Cashew Corporation of India will also be eligible to import under this licence for distribution to Actual Users (Processing units), in accordance with the Policy in force in this regard.
- (18) In the case of raw cashewnuts, the import contract shall be registered by the importer with the Cashew Corporation of India within a period of 7 days of its execution.
- (19) In the case of Carbon steel items and alloy steel items, permitted for import in this Licence, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Iron and Steel Controller, Calcutta or with any of his regional offices, within 15 days from the date of entering into such contracts. The procedure for registration of contracts with the Iron and Steel Controller, shall be the same as in (12) above.
- (20) In the case of iron and steel items covered by this Licence, Oil Refineries will also be eligible to import, subject to prescribed conditions.
- (21) In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual Users (Industrial) concerned shall, within seven days of the clearance of each consignment, intimate to the Department of Agriculture (Plan Protection Division), New Delhi, particulars of the items imported, the quantity and the c.i.f. value thereof.
- (22) In case of polysilicon, single crystal silicon ingots/Bars/Rods other than metallurgical grade silicon, silicon wafers other than diffused wafers, Dices, and chips, import contract shall be registered with the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan New Delhi before opening letter of credit. Import shall be made after the connected contracts have been stamped by the Department of Electronics as an evidence of such registration.
- (23) In case of unmanufactured ivory, import shall be subject to the regulations of convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES). Import shall be permitted only on inspection by the Regional Deputy Director, Wild Life Preservation, Department of Environment.
- (24) In case of greases & lubricating oils import can be made upto Rs. 10,000, provided Indian Oil Corporation, New Delhi has issued no objection certificate.
- (25) In respect of certain items, in the Schedule to this Licence, the names of specific industries have been mentioned. For these items, only the Actual Users (Industrial) engaged in the respective industries will be eligible to import under OGL.
- (26) Items covered under Part III of the Schedule to this Licence can be imported under Open General Licence by Actual Users (Industrial) and others for stock and sale.
- (27) In the case of brass/copper pipes and tubes, imported as scrap, their size shall not exceed 15 cms in length unless they are imported as scrap in hydraulically pressed briquettes.
- (28) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the licensed authorised capacity and the unit concerned shall



ensure adherence to its approved phased manufacturing programme.

(29) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

(30) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985 or, in the case of Actual Users (Industrial), on or before 30th June, 1985 against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before 28-2-1985, without any grace period whatsoever.

(31) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(32) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Schedule to OGL No. 1/84 dated the 12th April, 1984.  
Raw materials, components and consumables allowed under Open General Licence

#### Part I

Items allowed for import by Actual Users (Industrial) only, subject to Actual User Condition :—

1. Acrylic/Polyester fibre tips, Polyacetal tips and ink cartridges for writing instruments.
2. Alfa amyl cinnamic aldehyde.
3. Amyl alcohol.
4. Antimony Oxide.
5. Battery depolarized chemical of gamma variety.
6. Beryllium copper strips.
7. Bifurcated and tubular rivets.
8. Billiard cloth, rubber cushions for billiard tables.
9. Bismuth.
10. Black paper (Photographic grade).
11. Blades for shearing and For Textile Mills only.  
trotting machines.
12. Bleaching Earth.
13. Cellulose acetate/nitrate sheet.
14. Centrifugally cast seamless steel pipes and tubes (including stainless steel) upto 375 mm dia.
15. Chemical porcelain ware and ceramics for over 1200° C temperature applications.
16. Chlorinated diphenyl.
17. Civil Engineering instruments, the following :—
  - (1) Strain transducers.
  - (2) Stress transducers.
  - (3) Displacement transducers.
  - (4) Pressure transducers.
18. Cotton linters.
19. Copper/aluminium/micro For printing Units only.  
metal sheets used in the  
manufacture of blocks.
20. Copper moulds (for conti- Integrated Steel Plants, mini-  
nuous billet casting). steel Plants and electric arc  
furnace.
21. Corner castings of freight containers.
22. Cupro Nickel (like German Silver, Nickel Silver) Semis.  
Flat products and wire.
23. Cyanuric chloride.
24. Dies for teeth mould-electroform.

25. Dichloro acetic acid.
26. Dimethyl acetamide.
27. Dextross monohydrate.
28. Door seals for freight containers.
29. 2-Ethyl Hexanoic acid (Octoic acid).
30. Endless triple wire mesh of 65/195 or finer.
31. Epoxy plasticizers.
32. Etching chemicals i.e. addi- For Printing Units only.  
tive filming agents.
33. Film splicers.
34. Filter paper including impregnated.
35. Filter paper for Tea bags For manufacturers of Tea  
heat seal/non-heat seal bags only.  
type.
36. Flameproof cable half-couplers, straight adopters and bent adopters.
37. Flocculating agents based on polyacrylamide (dispex).
38. Furfuralamine.
39. Floppy Diskettes.
40. Gas lighter elements.
41. Glass Micro fibre paper filters.
42. Glass screens and contact For printing units only.  
screens (Grey and magenta)  
colour filters.
43. Glycerine.
44. Gunmetal bushes.
45. Heat absorbing filters.
46. Hexachloroethane.
47. High efficiency DC and brushless motors.
48. High efficiency pumps for solar energy equipment.
49. Impregnating oil for elec- For units engaged in cable  
tric paper board insulators industry only.  
and cable filling oils/comp-  
pounds.
50. Industrial diamonds, including powder (other than gem variety).
51. Infra-red bulbs.
52. Investors.
53. Iso amyl alcohol.
54. Jumbo rolls of width 1 metre and above of the following :—
  - (i) Cinematographic Colour films (unexposed) positive.
  - (ii) Amateur Rolls films.
  - (iii) Graphic Art films.
  - (iv) Industrial X-Ray film.
  - (v) Medical X-Ray film.
  - (vi) Photographic Colour paper.
55. Lead glass tubing.
56. Lead scrap including Ash, Skimming, Blowings and Drosses.
57. Lithographic coated plates.
58. (a) Litho rules for per- }  
forating, slitting cr- }  
easing etc. } For printing units only.  
(ii) Anti off-set spray  
powder.
59. Long life batteries for PV application.
60. Mail Eyes. For textile industry only.
61. Low wattage, high intensity electrical bulbs and tubes for PV application.
62. Magnesium powder.
63. Metal plates for rotary press.
64. Misch metal.

65. Molybdenum based greases and lubricants.
66. Needles for industrial sewing machines.
67. Nickel cardium batteries and components, parts thereof.
68. Non-liner field discharge resistors.
69. Nylon mono filament bristles.
70. Nylon partially oriented yarn (N y).
71. Nylon waste } Actual Users (Industrial) engaged in recovery of caprolactum as certified by DGTD New Delhi only.
72. Paper waste. } Units engaged in the manufacture of pulp paper and paper board.
73. Perchloroethylene.
74. Pigment finishes for leather.
75. Polyester Staple Fibre.
76. Polysilicon, single crystal silicon ingots/Bars/Rods other than metallurgical grade silicon.
77. Pure Iron (unwrought form) for remelting purposes.
78. Quality control film strips For Printing units only and targets.
79. Quartz glass and products thereof.
80. Radio Active material. } Actual Users on production of recommendation from Department of Atomic Energy.
81. Rare Earth oxide including rutile sand. }
82. Rayon Grade wood pulp.
83. Rubber blankets, for drafting machines and condensor rubbing aprons for woollen cards.
84. Sensors/transducers.
85. Shuttle cock bottom.
86. Silicon wafers other than diffused wafers, Discs, and chips.
87. Sodium methoxide.
88. Sodium sulphate.
89. Specialised tissues, the following :—  
 (a) Carbonising tissues, and  
 (b) Coloured paper cigarette tissue.
90. Stopper heads and nozzles other than fire clay stopper heads and nozzles } Integrated Steel Plants.
91. Synthetic ruby, unworked.
92. Tetrachloroethane.
93. Titanium sponge.
94. Tris Nonyl Phenyl Phosphite.
95. Type high numbering machine.
96. Used/scrap rubber tyres/tubes (each tyre/tube subjected to at least one cut before shipment from the exporting country or before clearance from the customs). } For units engaged in reclaiming rubber.
97. Viscose Staple fibre including polynosic fibre/tow.
98. Wax emulsions.
99. All components of machine tools, machinery, equipment, instruments and other engineering items (including consumer durables), covered under OGL excluding electronic components. } Industrial
100. Raw materials, components and consumables required for Electronics Industry, the following :—  
 (i) Phenolic (SRBP/Ceramic buses/substrate).  
 (ii) Conductive/resistive compositions.  
 (iii) Turned parts like spindle, PC pins.  
 (iv) Pressed parts, like tags, wipers.  
 (v) Casings either die cast, pressed moulded.  
 (vi) Special springs.  
 (vii) Moulded parts for multiple pots.  
 (viii) Sealing materials.  
 (ix) Resistive/conductive inks.  
 (x) Contacts in various shapes including carbon and precision metals.  
 (xi) Contact carriers.  
 (xii) 'O' Rings.  
 (xiii) Resistance wires of various specification other than those included in Appendices 3 Part-A and 4-Part-A.  
 (xiv) Formers for winding like insulated copper wires and phenolic.  
 (xv) Ceramic bases.  
 (xvi) Contacts of metals, carbons and combination thereof.  
 (xvii) Pressed components.  
 (xviii) Tinned components.  
 (xix) Epoxy paints.  
 (xx) Epoxy thinner.  
 (xxi) Epoxy hardener.  
 (xxii) Polypropylene film (Plain/metallised).  
 (xxiii) Copper beryllium formed products.  
 (xxiv) Copper wire/strips (Oxygen free types).  
 (xxv) Graphite jigs.  
 (xxvi) Laminations/strips of Mu-metal/Radio metal.  
 (xxvii) Litz wire/rayon covered copper wire.  
 (xxviii) 'KOVAR' and alloys of Nickel-iron/cobalt in all forms.  
 (xxix) Digital cartridges/cassettes.

## Part II

Items allowed for import by Actual Users (Industrial) subject to Actual User condition, and Export Houses/Trading House against REP/Additional licences, as per policy for sale to eligible Actual Users (Industrial) subject to Actual User Condition:—

1. Acrylic moulding powder.
2. Alloy steels in any form/shape/section.
3. Aluminium glycinate.
4. Aluminium wire/strips of purity 99.99%.
5. 4 : 4 Benzidine, 2 : 2 disulphonic acid.
6. Black Centered Board.
7. Bleaching powder and hypo chlorites.
8. Caustic Soda.
9. Corkwood, cork waste and cork dust cork powder < 200 mesh.
10. Components of DC micro motors/stepper motors servo motors/AC synchronous motors of ratings up to 12 Volts and 20 Watts.
11. Components of relays connectors and switches.
12. D.M.T./T.P.A.
13. Drugs/Drug intermediates.

14. Dye intermediates.
15. Ethyl glycol.
16. Eucalyptus gum chips.
17. Geranium oil.
18. Glass capillary tubing for thermometers.
19. Glass shells for GLS lamps.
20. High grade molybdenum ore, Molybdenum metal including scrap, Molybdenic oxide, Molybdenum oxide, Molybdenum powder.
21. Iodine.
22. Ivory unmanufactured.
23. Insecticides, pesticides and weedicides.
24. Lithopone.
25. Man-made fibres/yarns (other than those in Part I and III).
26. Mercury/mercury ammoniated.
27. Methyl chlorosilanes such as :—
  - (i) Dimethyl dichlorosilane.
  - (ii) Methyl trichlorosilane.
  - (iii) Trimethyl chlorosilane.
  - (iv) Octamethyl cyclotetraoxanes.
  - (v) Hexamethyl disiloxane.
28. Microwave components of all types.
29. Naphthalene crude.
30. Natural essential oil.
31. Nitric acid.
32. Parachloro benzoic acid.
33. Para chloro toluene.
34. Para tertiary butyl phenol.
35. Phosphoric acid.
36. Phosphoric acid (other than industrial grade).
37. Pitch.
38. Plain/metallised condenser tissue paper.
39. Plain/metallised capacitor tissue paper.
40. Plain/metallised Kraft/Tissue paper.
41. Polycarbonate (Thermoplastic raw materials).
42. Polycarbonate moulding powder/granules.
43. Potassium Chlorate.
44. Potassium ferro-cyanide.
45. Pressed/punched metal parts and die-cast parts for Tape Deck Mechanism.
46. PTFE Fabric/felt/threads.
47. PVC Resins.
48. Raw cashewnuts.
49. Raw wool/Greasy wool/scored wool (not carded or combed)/angora goat hair (mohair).
51. Shellac/seced lac.
51. Soda Ash
52. Solvents.
53. 20% oil treated sulphur, including crystex/insoluble Sulphur.
54. Synthetic rubber viz. Butyl rubber, Neoprene/chloroprene, Hypalon, Viton, PTFE and E.P.D.M.
55. Tartaric acid.
56. Tin foil.
57. Tracing paper.
58. Tungsten Disc./Tungsten Contacts.
59. Tungsten salts.
60. Vitamin B. 6.

61. Woollen rags/synthetic rags/shoddy wool.
62. Zinc wire of 99.99% purity.

## Part III

Items allowed for import by Actual Users, and others for stock and sale :—

1. Aluminium scrap/Dross.
2. Brass scrap/Ash/Dross.
3. Cooper scrap/cooper mill scale.
4. Tin dross/Ash/Residues and Tin alloy/Residues.
5. Zinc scrap/Zinc alloy scrap/Ash/Dross.
6. Nickel Silver Scrap (German Silver Scrap).
7. Wattle Bark for tanning leather.
8. Wattle Extract.
9. Pickled hides, skins, pelts, splits and parts thereof.
10. Hides and skins, raw or salted where the value of hides and skins is more than that of wool/hair thereon.
11. Wet Blue Chrome tanned and finished leather.
12. Quebracho extract, chestnut extract and modified eucalyptus extract (Myrtan).
13. Gum Arabic.
14. Viscose filament yarn (first quality) below 600 denier.
15. Cupramonium filament yarn and Acetate Filament Yarn (first quality).
16. Ceramic fibre.
17. Carbon fibre.
18. Polyacetal resin.
19. Polymethyl methacrylate plastic blanks.
20. Poly-tetrafluoroethylene resin.
21. Polycarbonate resin.
22. Styrene acrylic nitrile resin.
23. Polyurethane resin.
24. Glass shells for TV picture tubes.
25. Chrome metal.
26. Manganese metal.
27. Magnesium metal.
28. Silver paste/silver powder suspension
29. Vanadium metal.
30. Multi-cable transit (cable/pipe sealing system).
31. Tungsten metal.
32. Following components of colour TV sets production:—
  - (a) Line output transformers/EHT Transformers for a colour TV Receiver above 36 cms and above 20 KV (with or without focus potentiometer).
  - (b) High voltage focus pot.
  - (c) Internal degaussing coil.
  - (d) Liminance delay line.
  - (e) Chrominance delay line.
  - (e) Chrominance delay line.
  - (f) TV picture tube socket/CRT socket.
  - (g) SAW filter.
  - (h) Ceramic filter/trap.
  - (j) Fusible resistor.
33. All other items permitted under Open General Licence in terms of the import policy in force, other than those covered by parts I & II above.

NOTES (1) It is clarified that entries in this List (Part I Part II and Part III) allow only those items and their specifications, sizes, types, varieties, compositions,

categories etc. as are covered under Open General Licence for Actual Users (Industrial) vide items 1 and 2 of Appendix 6 i.e. the items or their specification etc. which do not appear in Appendices 2 to 5 and 8, including those having another chemical name or synonym, but of the same nature, as any of the items covered in these Appendices read with the clarification contained in Chapter 22 of this Book.

- (2) Import of religious books shall not be allowed as waste paper under entry No. 72 Part I above.

आदेश सं० 3/84

खुला सामान्य लाइसेंस 2/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

क्र० आ० 284(अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा 1984-85 (जिल्द-1) की आयात और निर्यात नीति के परिशिष्ट I भाग-ख में निशुल्क विवरण के पूंजीगत माल का दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित वस्तुओं के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) आयातक वास्तविक उपयोगता शर्त के साथ अपने निजी कारखाने, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान, व्यावसायिक कार्यालय या अन्य संबद्ध परिसर में उपयोग के लिए ऐसी वस्तु की आवश्यकता वाले महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या राज्य के संबंध उद्योग निदेशक या अन्य संबद्ध प्रायोजक या सरकारी प्राधिकारी के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक या गैर औद्योगिक) हो।
- (2) विनियमन पूंजीगत माल के आयात द्वारा आवेदक का उत्पादन लाइसेंस प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा।
- (3) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा। यदि वे पुरानी या मरम्मत की गई वस्तु होंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जबकि मशीनरी केवल 7 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और इसका शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और निकासी के समय आयातक आयात किए जाने वाले देश के किसी स्वतंत्र व्यावसायिक सनदी इंजीनियरिंग/किसी समतुल्य संस्थान से एक प्रमाण पत्र सीमा शुल्क प्राधिकारी को निम्नलिखित बातें निदिष्ट करते हुए प्रस्तुत करेगा:—

- (क) संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माता का नाम,
- (ख) विनिर्माण का वर्ष,
- (ग) संयंत्र और मशीनरी की वर्तमान दशा और उसका प्रत्याशित शेष जीवन,
- (घ) यदि नया माल खरीदा गया है तो तुल्य पूंजी माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य।
- (ङ) यदि कोई सुधार/मरम्मत की गई है तो उसका विवरण और वे किस तारीख (खों) को किए गए थे।
- (च) संभरणों द्वारा पूछी गई कीमत के संबंध में विचार और ऐसे विचारों के लिए दिए गए आधार।

- (4) आयातित माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगता (गैर औद्योगिक) उसके द्वारा धारित उस पंजीकरण प्रमाणपत्र को मूल रूप में या फोटोस्टेट प्रति (वर्तमान समय से बंध के रूप में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को भेजेगा जो उसको आयात करने के लिए पात्रता प्रदान करते हुए शापस एवं इरटेबलिजमेंट एक्ट, सिनेमैटोग्राफिक एक्ट या संबंध स्थानीय कानून के अंतर्गत जारी किया गया हो।

- (5) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) सम्बद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों के साथ औद्योगिक एकक के रूप में अपने औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण का व्योरा देते हुए अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण की संख्या और दिनांक और विनिर्माण की अंतिम उत्पाद (द) और य पुष्टि करने हुए कि (1) ऐसे लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द कि गए हैं। या वापस किए गए हैं या अन्यथा रूप से प्रचाल में हैं और (2) आयातित माल औद्योगिक एकक के रूप में उनके औद्योगिक लाइसेंस/प्रायोजक प्राधिकारी के पास पंजीकरण की शर्तों के विस्तृत अनुसार है, एक घोषणा पत्र सम्बद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेगा। 3. मामलों में जहाँ संश्लेष प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा अलग लाइसेंस पंजीकरण सं० नहीं दी गई है आयातक को सी शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए इस संबंध में अन्य क प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के वि भी पात्र है।

- (6) आयात किए गए पूंजीगत माल का विवरण देते 30 सितम्बर, 1984 और 31 मार्च, 1985 के अनुर उनके लागत बीमा भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आप मूल्य नियंत्रक आयात-निर्यात नई दिल्ली के कार्यालय साक्ष्यकी निदेशक का आवधिक विवरण भेजेगा। 4. प्रत्येक विवरण निदिष्ट अवधि के समाप्त होने के 15 के भीतर भेजा जाएगा।

- (7) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित न गया हो।

- (8) यह माल 31 मार्च 1985 को अथवा उससे पहले बिना अवधि बढ़ाये जाहे जो भी हो भारत को परेषण के भेजे गए हों या 28-2-1985 की या इससे पूर्व मि मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत गयी पक्की संविदा के मद्दे 31-3-1986 को या लदान कर दिए गए हों।

- (9) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनु 5 में शर्त-1 के अधीन होगा।

- (10) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू को नियंत्रक अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला वि इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के को प्रभावित नहीं करेगा।

- (11) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोगता (औ जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आ उसे दायित्व या किसी आवश्यकता को अनुपालन क कोई उन्मुक्ति, छूट या ढील प्रदान नहीं करता है। इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चा

ORDER NO. 3/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 2/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 284(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act (18 of 1947), the Central Government hereby gives permission to import into India from any country, the Union of South Africa/South West Africa, Goods of the descriptions specified in Appendix I

of Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I), subject to the following conditions :—

- (i) The importer is an Actual User (Industrial or Non-Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring or Government Authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned, subject to "Actual User" condition;
- (ii) By import of the Capital Goods, in question, the production of the applicant shall not exceed the licensed/authorised capacity;
- (iii) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent institute in the country from which import is made, indicating;
  - (a) Name of manufacturer of the plant and machinery;
  - (b) Year of manufacture;
  - (c) Present condition of the plant and machinery and its expected residual life.
  - (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new.
  - (e) Nature of reconditioning/repairs done, if any and the date(s) on which those were carried out.
  - (f) opinion regarding the price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.
- (iv) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the imported goods, furnish the customs authorities the original or a photostat copy of the (currently valid) Registration Certificate held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or concerned local statute, entitling them to effect the import;
- (v) Actual User (Industrial) shall produce to the Customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his industrial Licence/registration, as an industrial unit with the concerned authorities, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration and the end-product(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative and (ii) and the items imported are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority as an industrial unit. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and is eligible to the import made;
- (vi) The importer shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, giving the description of Capital Goods imported and their cif value as on 30th September, 1984 and 31st March, 1985. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated;
- (vii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (viii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985, or shipped on or before the 31st March, 1986 against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 28th February, 1985 without any grace period whatsoever;

(ix) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

(x) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported;

(xi) The Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial) may be subject, under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

आदेश सं० 4/84

शुल्की मामलों लाईसेंस 3/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का० आ० 285 (अ):- आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनडू द्वारा दक्षिण अफ्रीका / दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर विश्व के किसी भी देश में 1984-85 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द, 1) के परिशिष्ट 2.3, भाग, क, 8 या 10 में प्रदर्शित मदों से भिन्न अर्थात् फालतू पुर्जों के रूप में अपेक्षित सभी अनुमति पुर्जों जो वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा अपने निजी उपयोग के लिए उपमाधितों अनुमति उपस्कर, नियंत्रण और प्रयोगशाला उपस्कर, और सुरक्षा उपकरणों सहित, 1-4-1984 को स्थापित या उपयोग किए जा रहे पूंजीगत माल के अनुरक्षण के लिए अपेक्षित हों, उनके आयात के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :-

- (1) वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को यथा उपयुक्त अपने औद्योगिक लाईसेंस/पंजीकरण प्रमाणपत्रों अर्थात् औद्योगिक लाईसेंस / औद्योगिक एकक के रूप में सम्बद्ध प्राधिकारियों के पास पंजीकरण की सं० तथा दिनांक और विनिर्मित अंतिम उत्पाद का विवरण देने हुए एक ऐसा घोषणा पत्र देगे जिससे इन बात की पुष्टि होगी कि ऐसा लाईसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है अथवा वापिस नहीं लिया गया है अथवा उसका अन्यथा रूप में उपयोग नहीं किया गया है। जिन मामलों में सम्बन्धित प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा पृथक् पंजीकरण नियत नहीं किया गया है, आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए अन्य कोई प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा कि वह लाईसेंस-धारी / औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए पात्र है।
- (2) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोक्ता (गैर- औद्योगिक) दुकान और स्थापना अधिनियम, मिनेमेटोशफिक अधिनियम अथवा उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अन्तर्गत उसके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाण पत्र की मूल अथवा फोटोस्टेट (वर्तमान समय में वैध) प्रति सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे जो आयात को प्रभावी बनाने के लिए उन्हें हक्कार बनाएंगे।
- (3) संगणक प्रणाली के मामले में, अनुमति फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति आयातित संगणक के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के 3 प्रतिशत पर या देशी विनिर्मित संगणक प्रणाली खरीद मूल्य के 1 प्रतिशत अथवा संगणक जो कि फोटो बनाने वाली मशीनों का एक अभिन्न अंग है, के 5 प्रतिशत पर दी जाएगी आयातित माल की निकासी के समय जैसा भी मासला हो, आयातक की सीमा शुल्क प्राधिकारियों को सनदी लेखापाल /

लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव (व्यवसायी) या संबंधित प्रयोजित प्राधिकारी को लागत बीमा भाड़ा मूल्य या संगणक प्रणाली की खरीद मूल्य को प्रवर्धित करते हुए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें इस संबंध में एक घोषणा-पत्र भी देना चाहिए कि जिस परेषण की निकासी की जानी है उसके लागत बीमा भाड़ा मूल्य सहित उसी अवधि में हम प्रकार से पहले ही आयात किए गए माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य अनुमेय सीमा से ज्यादा नहीं हो। सनदी / लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव को आवेदक फर्म या उसकी सहायक शाखाओं का भागीदार या संचालक या कर्मचारी नहीं होना चाहिए।

ORDER NO. 4/84

Open General Licence No. 3/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 285(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, "permissible" spares i.e. all those parts required as spares, other than the items appearing in Appendices 2, 3 Part-A, 8 or 10, in the Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I), as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment, control and laboratory equipment and safety appliances, installed or in use as on 1st April, 1984, by Actual Users (Industrial or Non-Industrial), subject to the following conditions :—

- (4) वं लघु क्षेत्र के एकक जिनके पास सम्बद्ध प्रयोजित प्राधिकारियों के अन्तिम पंजीकरण हैं, वास्तविक उपयोक्ताओं की ऊपर विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन इस लाईसेंस के अन्तर्गत माल आयात करने के पात्र होंगे।
- (5) वास्तविक उपयोक्ता इस लाईसेंस के अन्तर्गत आयातित माल के उपयोग का निर्धारित रूप और विधि से उचित लेखा रखा और ऐसे लेखों को लाईसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा विनिर्दिष्ट कृत समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।
- (6) यह लाईसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त 1 के भी अधीन होगी।
- (7) वास्तविक उपयोक्ता 30-9-1984 और 31-3-1985 की नीचे लिखे गए प्राधिकारियों को एक आवधिक विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें (क) आयातित मालों के मूल लागत बीमा भाड़ा मूल्य और (ख) ऐसी आयातित मालों के व्योरे जिनका कुल लागत बीमा भाड़ा मूल्य 2 लाख रुपए से अधिक हो, का दर्शाया जाएगा:—
  - (1) बृहत पैमाने क्षेत्र के औद्योगिक एककों के मामले में संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी ; और
  - (2) अन्य वास्तविक उपयोक्ताओं के मामले में सम्बद्ध क्षेत्रीय लाईसेंस प्राधिकारी प्रत्येक ऐसा विवरण उपर्युक्त संकेतित अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (8) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ / दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) ये माल 31 मार्च, 1985 को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाये जो भी हो भारत को परेषण के जरिए भेजे जाते हैं या 28-2-1985 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे 31-3-1986 को या इससे पूर्व लदान कर दिए जाते हैं।
- (10) इस प्रकार का माल आयात करने समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाली विनियम इस लाईसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (11) यह लाईसेंस किसी भी वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो, उसे दायित्व या किसी आवश्यकता को अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति छूट या डील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

- (i) Actual Users (Industrial) will furnish to the customs authorities, at the time of clearance a declaration giving particulars of their industrial licence/registration certificates, as appropriate, namely, Number and Date of Industrial Licence/Registration with concerned authority as industrial unit and end-product(s) manufactured, and solemnly affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as an industrial unit and is eligible to the import made.
- (ii) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods, furnish to the customs authorities, the original or a photostat copy of the (currently valid) registration certificates held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the Imports.
- (iii) In the case of computer systems, import of permissible spares parts will be allowed at 3 per cent of the c.i.f. value of imported computers or one percent per annum of the purchase price of the indigenously manufactured computer systems or five percent of computer which are integral part of the photo composing machines. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the customs authorities, a certificate from Chartered/Cost Accountant or Company Secretary (in practice) or the sponsoring authority concerned showing the c.i.f. value or the purchase price of the computer system, as the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value or such goods already imported during the same financial year does not exceed the permissible limit, including the c.i.f. value of the consignment to be cleared. The Chartered/Cost Accountant or Company Secretary should not be a partner or a Director or an employee of the applicant firm or its associates.
- (iv) Small Scale Units having provisional registration with the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this licence, subject to Actual User condition.
- (v) The Actual User shall maintain proper account of utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (vi) This licence shall also be subject to the Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

- (vii) The Actual Users shall furnish periodical returns, as on 30th September, 1984 and 31st March, 1985 to the authorities mentioned below, indicating (a) the total c.i.f. value of the items imported and (b) description of such of the items imported of which the total c.i.f. value exceeds Rs. 2 lakhs :—
- (i) Sponsoring authorities concerned in the case of industrial units in the large scale sector; and
- (ii) Regional import licensing authorities concerned, in the case of other Actual Users. Each such Return shall be sent within 15 days of the close of the period indicated.
- (viii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (ix) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985, or shipped on or before 31st March, 1986 against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 29-2-1985, without any grace period whatsoever.
- (x) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (xi) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

आदेश सं० 5/84

शुला सामान्य लाईसेंस सं० 4/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का०आ० 286(अ):—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड -3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विषय के किसी भी देश से सीधे विशिष्टीकृत माल का आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :

- (1) लागत-बीमा भाड़ा मूल्य के आधार पर विदेश में निशुल्क मरम्मत के पश्चात् मरम्मत का पुनः आयात सीमाशुल्क प्राधिकारी की इस संतुष्टि के आधार पर होगा कि पुनः आयातित मरम्मत वही है जिसको विदेश में मरम्मत के लिए भेजा गया था।
- (2) 2,000 रु० मूल्य तक के व्यापार संबंधी सूची पत्रों और परिपत्रों के मुफ्त उपहार।
- (3) मशीनरी और संयंत्र स्थापनों, कार्य और निर्माण, अनुसंधान आँकड़ों से संबंधित बे खाके और ड्राईंग (माईक्रो फिल्म सहित) जो मुफ्त में संभरित किए जाते हैं और जिनका कोई भी वाणिज्यिक मूल्य नहीं है।
- (4) एक प्रेषण में अधिकतम 20,000/ रु० के लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक के मुफ्त में संभरित किए जाने वाले मूल तकनीकी और व्यापार संबंधी नमूने जिनमें बनस्पति बीज, मधु मक्खियाँ, जाध और नये भेषज शामिल नहीं हैं।
- (5) मुफ्त में संभरित की जाने वाली मूल निर्यात संबंधी वह सामग्री जो एक ही परेषण में 2000/- के लागत बीमा भाड़ा मूल्य से अधिक न हो।
- (6) विदेशी संभरकों द्वारा मुफ्त में संभरित माल या ऐसा माल जो पहले आयात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिए क्षतिपूर्ण/या अनुपयुक्त पाया गया हो या आयात के बाद खो

गया हो/टूट फूट गया हो, उनके बदले में किसी बीमा कंपनी द्वारा तय किए गए बीमा (समुद्रीय) या समुद्री व विनिर्माता के दावे के मद्दे आयातित माल बगलें कि :—

- (क) प्रतिस्थापन वाले माल का पोत लदान पहले आयात किए गए माल का सीमाशुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से 24 महीनों के भीतर किया गया हो या मशीनों अथवा उनके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी अवधि 24 महीनों से अधिक हो तो पोत-लदान गारंटी अवधि के भीतर किया गया हो ;
- (ख) जिस मामले में विदेशी संभरक द्वारा माल का प्रतिस्थापन इस शर्तों के अधीन न हो कि आयातक प्रतिस्थापन के लिए बीमा और या भाड़े का भुगतान करेगा और धन परेषण करते समय इस संबंध में दस्तावेजों साक्ष्य प्रस्तुत किया गया हो तो ऐसे मामले के अतिरिक्त किसी भी प्रकार के धन परेषण की अनुमति नहीं दी जाएगी ;
- (ग) प्रतिस्थापन माल की निकासी के समय निम्नलिखित दस्तावेज सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे :—
- (1) मुफ्त में प्रतिस्थापन के मामले में विदेशी संभरक के साक्ष्य के रूप में यह प्रदर्शित करते हुए मूल पत्र की माल मुफ्त संभरित किया जा रहा है ;
- (2) लाईसेंस एजेंट ने या किसी अन्य प्राधिकृत बीमा सर्वेक्षक से सर्वेक्षण प्रमाणपत्र या मशीन या उसके पुर्जों के मामले में व्यवसायी स्वावलंबी सनरी इंजीनियर (या सरकारी विभागों और मार्बेजिनिक क्षेत्र के स्थानों के मामले में मुख्य कार्य प्रभारी) से इस संबंध में प्रमाणपत्र पहले आयात किया गया माल अस्तित्व में क्षतिपूर्ण दशा में प्राप्त किया गया था और उसके प्रतिस्थापन की आवश्यकता थी,
- (3) जिस मामले के उपर्युक्त उपखंड (क) में निर्धारित 24 महीनों की अवधि के बाद पोत-लदान किया गया हो तो उस मामले में मशीनों या उनके पुर्जों के लिए विदेशी संभरक या माल परेषक द्वारा गारंटी की अवधि प्रदर्शित करते हुए साक्ष्य,
- (4) नए सिरे से धन परेषण वाले प्रतिस्थापन आयात के मामले में बीमा कंपनी द्वारा मागे गए भुगतान का साक्ष्य। लेकिन यह सरकारी विभागों के मामले में आवश्यक नहीं होगा बगलें कि प्रेषित धन को प्राप्त करने के लिए विदेशी मुद्रा विन मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)/प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा रिहा की गई हो। प्रतिस्थापन आयात की अनुमति बीमा कंपनी द्वारा निर्णीत मांग के मूल्य तक दी जाएगी, परन्तु इस धनराशि में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि की अनुमति प्रतिस्थापन के रूप में आयात की जाने वाली मशीनरी के मूल्य में वृद्धि के कारण दी जा सकती है।
- (7) भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के पूर्व लिखित अनुमोदन के साथ और उनके द्वारा निर्धारित किसी शर्त के अधीन रोग विषयक परीक्षणों के लिए मुफ्त में संभरित भेषज और औषधियाँ/औषधि नियंत्रक का अनुमोदन माल की निकासी के समय बीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाएगा ;
- (8) विदेशी संभरकों द्वारा भारत में थोक एजेंटों को मुफ्त में संभरित भेषजों और औषधियों के मूल व्यापार नमूने जो एक परेषण में लागत बीमा भाड़ा मूल्य में 10 हजार रुपये

- से अधिक न हो और भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश के साथ जो माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी;
- (9) भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश, जो माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी, के आधार पर मुफ्त में या भुगतान पर संभरित मानव टीके और सेरा;
- (10) राज्य पशु पालन निदेशक, अथवा पशु पालन आयुक्त, भारत सरकार, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश पर निशुल्क अथवा भुगतान के मद्दे भेजे गए पशु टीके जिनमें मृगी पालन टीके भी शामिल हैं, जिनके लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जानी है।
- (11) कीटनाशी अधिनियम, 1968 के अंतर्गत गठित पंजीकरण समिति द्वारा जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र के आधार पर मुफ्त संभरित किए गए कीटनाशी (महामारी नाशी और घास पाननाशी सहित) के तकनीकी और व्यापार नमूने कथित अधिनियम की अनुसूची में शामिल की गई मदों के संबंध में निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाने हैं।
- (12) उपर्युक्त क्रम सं. (9) से (11) में दर्शाई गई मदों के संबंध में, जहां पर मदें मुफ्त में भेजी गयी हों अनुमेय माल के आयात की अनुमति उपभोक्ता या खुदरा विक्रेता में नहीं होगी और प्रेषित माल पर साफ साफ अक्षरों में नमूने विक्रेता के लिए नहीं अंकित होगा;
- (13) इस लाईसेंस के अंतर्गत आयातित व्यापार सूची पत्र एवं परिपत्र, खाके एवं ड्राईंग और तकनीकी अथवा व्यापार नमूने आयातक के निजी उपयोग के लिए हैं और उनको बेचा नहीं जाएगा अथवा अन्यथा रूप से हस्तान्तरित नहीं किया जाएगा।
- (14) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय इसका इम लाईसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (15) खूले सामान्य लाईसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या डील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनयनों के अधीन हो आयातकों को उनके लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए;
- (16) यह लाईसेंस खूले सामान्य लाईसेंस सं. 4/43 का अति क्रमण करता है जो कि आयात व्यापार नियंत्रण आदेश संख्या 4/83 दिनांक 15 अप्रैल 1983 के अंतर्गत प्रकाशित किया गया था।

ORDER NO. 5/84

Open General Licence No. 4/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 286(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government gives general permission for importation of the goods specified below from any country in the world, except the Union of South Africa/South West Africa :—

(1) Re-import of items after repairs abroad, free of charge on c.i.f. basis subject to the satisfaction of the customs authority that the item re-imported is the same which was sent abroad for repairs;

(2) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 2,000;

(3) Blue prints and drawings (including micro films) relating to machinery and plant sites, work and building, research data, supplied free of charge and having no commercial value;

(4) Bonafide technical and trade samples supplied free of charge, not exceeding Rs. 20,000 in c.i.f. value, in one consignment, excepting vegetable seeds, bees, tea and new drugs;

(5) Bonafide advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 2,000 in c.i.f. value, in one consignment;

(6) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an insurance (marine) or marine-cum-erection insurance claim settled by an Insurance Company, in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit/unsuitable for use or lost/damaged after import, provided that :—

(a) the shipment of replacement goods is made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof where such period is more than 24 months;

(b) No remittance shall be allowed except for payment of insurance and freight charges where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and/or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance;

(c) the following documents shall be produced to the satisfaction of the customs authorities, at the time of clearance of the replacement goods :—

(i) original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost, in case of free replacements;

(ii) a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional independent chartered engineer, (or Chief Executive in the case of Government Departments and Public Sector Undertakings) to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement;

(iii) evidence showing the period of guarantees given by the foreign manufacturers of consignors in the case of machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 24 months stipulated in sub-clause (a) above;

(iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. This will, however, not be necessary in the case of Government departments, provided foreign exchange has been released by the Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs)/Administrative Ministry to cover the amount to be remitted. Replacement imports will allowed upto five value of the claim settled by the insurance company but an increase upto ten per cent of this amount may be allowed owing to the increase in the value of the machinery to be imported in replacement.

(7) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs Controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;

(8) Bonafide trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign suppliers, not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value in one consignment on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;



(9) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;

(10) Animal including poultry vaccines, supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of either the State Director of Animal Husbandry or the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, New Delhi, or any other officer authorised by the Ministry of Agriculture, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;

(11) Technical and trade samples of the insecticides (including pesticides and weedicides), supplied free of charge, on the basis of the registration issued by the Registration Committee set up under the Insecticides Act, 1968, and the quantity specified by the Committee in respect of items included in the Schedule to the said Act, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;

(12) In respect of items covered by SL Nos. (9) to (11) above, where the items are supplied free of charge, import of the permissible materials shall not be allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale".

(13) Trade catalogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold or transferred otherwise;

(14) This licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition of regulation effecting the import that may be in force at the time when such goods are imported;

(15) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them;

(16) This licence is in supersession of Open General Licence No. 4/83 published vide Import Trade Control Order No. 4/83 dated the 15th April, 1983.

आदेश सं० 6/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 5/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का० प्रा० 287(अ):—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की द्वारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी अनुसंधान एवं विकास यूनिट, वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रयोगशाला के उच्च शिक्षा संस्थान एवं चिकित्सालय जो केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत है को उनके द्वारा अपेक्षित कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों मशीनरी, उपकरण, यंत्रों, उप साधकों और फालतू पुर्जों की मदों का दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है:—

(1) आयात निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार जो भी हो, द्वारा अपनी मान्यता का विवरण देते हुए और यह घोषणा करने हुए कि आयातित मर्चे, उनके निजी उपयोग के लिए अपेक्षित है, एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा। अनुसंधान और विकास एकाकों के मामले में यह यह भी घोषणा करेगा कि आयातित माल अनुसंधान और विकास के लिए आवश्यक है।

(2) उपभोग्य माल की मदें चाहे उनका विवरण किसी भी प्रकार से किया गया हो, इस लाइसेंस के अंतर्गत आयात के लिए अनुमय नहीं होगी। एम लाइसेंस के अंतर्गत कारखाने मशीनों का आयात भी अनुमय नहीं होगा।

(3) इस प्रकार आयातित माल का उत्पादन अथवा विनिर्माण दक्षिण/अफ्रीका दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में न किया गया हो।

(4) कम्प्यूटर प्रणाली और फालतू पुर्जों के संबंध में आयात की अनुमति इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली द्वारा निकासी प्रदान करने पर ही दी जाएगी।

(5) अनुसंधान एवं विकास के प्रयोजनार्थ किसी भी प्रकार के जीवित एवं तबूकारी माईक्रोऑर्गेनिज्म के आयात के मामले में सीमाशुल्क निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए भारत सरकार, कृषि मंत्रालय के पशुपालन आयुक्त की पूर्ण अनुमति प्रस्तुत करनी चाहिए।

(6) आयातक पत्तन से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर नीचे संकेतित प्राधिकारी को प्रत्येक एक लाख रुपये अथवा इससे अधिक मूल्य के लिए उनके द्वारा आयातित माल का विवरण प्रस्तुत करेगा:—

(1) अनुसंधान एवं विकास एकाकों और वैज्ञानिक तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली को मुख्य नियंत्रक आयात नियंत्रण को भी इसकी सूचना दी जाए।

(2) इलेक्ट्रॉनिक मदों के संबंध में, इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली को।

(3) तकनीकी विकास महाविशालय, नई दिल्ली को उन मामलों जिनमें एकक उनके पास पंजीकृत किया गया हो।

(4) चिकित्सालय और उच्च शिक्षा संस्थान जो भी हों, के मामले में केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार के संबंध प्रशासकीय मंत्रालय को।

(7) यह लाइसेंस आयात नियंत्रण आदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के भी अधीन होगा।

(8) ऐसा माल बिना किसी रियायती अवधि के, चाहे वह अवधि कुछ भी हो, 31 मार्च, 1985 को या उससे पहले भारत को लाना कर दिया गया हो अथवा 28 फरवरी, 1985 का या उससे पहले का गई और विदेशी मूदा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत पक्की सविदा के दब्बे मशीनरी/उपकरण/फालतू पुर्जों के मामले में 31 मार्च, 1986 को अथवा इससे पहले भरण को परेषण के माध्यम से लाना कर दिया गया हो।

(9) यदि माल के आयात के समय उसे आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(10) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसे किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय अन्तुहित, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है, जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगता (प्रौद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उससे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ORDER NO. 6/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 5/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 287(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, items of raw

materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories, and spares, required by any research and development unit, scientific or research laboratory, institution of higher education and hospitals, recognised by the Central or State Government so, subject to the following conditions :—

- (i) The importer shall produce to the customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of its recognition by Central or State Government, as the case may be, and declaring that the items imported are required for its own use. In the case of R&D units, they shall also declare that the imported item is required for R&D purposes.
- (ii) Items of consumer goods, how-so-ever described, shall not be permitted for import under this Licence. Import of office machines will also not be allowed under this Licence.
- (iii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (iv) In respect of computer systems and their spares, the import shall be allowed on production of clearance by the Department of Electronics New Delhi.
- (v) In the case of import of live and attenuated micro organism in any form for R&D purposes, prior permission from the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India in the Ministry or Agriculture shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (vi) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from Customs, the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. 1 lakhs or more :—
  - (i) Department of Science & Technology, New Delhi in the case of R&D units and Scientific and Research Laboratories, under intimation to the CCI&E, New Delhi.
  - (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items.
  - (iii) DGTD, New Delhi, in the case of units registered with them.
  - (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be in the case of hospitals and institutions of higher education.
- (vii) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (viii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985 or, in the case of machinery/equipment/spares shipped on or before 31st March, 1986 against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 28th February, 1985, without any grace period whatsoever.
- (ix) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (x) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

आदेश सं० 7/84

खला सामान्य लाइसेंस सं० 6/84

फॉर्म 288(अ)—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों

का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से आयात एव निर्यात नीति 1984-85 (जिल्द-I) के परिशिष्ट-5 में निहित संबद्ध मवों के सामने उल्लिखित मनोनीत सार्वजनिक क्षेत्र (सरणीबद्ध) अभिकरणों द्वारा उक्त परिशिष्ट में विशिष्टीकृत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा गिहा की गई विदेशी मुद्रा के मुद्दे किए जाएंगे।
- (2) आयातित माल का वितरण संबद्ध सरणीबद्ध अभिकरण द्वारा निर्धारित नीति और क्रियाविधि के अनुसार किया जाएगा।
- (3) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ से तैयार प्रथवा विनिमित्त न किया गया हो।
- (4) भारत को ऐसे माल का लब्धन बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो 30 सितम्बर, 1985 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाने हैं बशर्ते कि 31 मार्च, 1985 को या इससे पहले पक्के आदेश कर दिए गए हैं।
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के भी अधीन होगा।
- (6) इस प्रकार के माल का आयात करने समय लागू कोई भी निषेध या उस के आयात की प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (7) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या कील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (भौद्योगिक) अन्य कानूनों या नियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ORDER NO. 7/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 6/84

S.O. 288(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, the goods of the description specified in Appendix 5 of Import & Export Policy, 1984-85 (Vol. I), by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendix, subject to the following conditions :—

- (i) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose;
- (ii) Imported goods shall be distributed by the Canalising Agency concerned in accordance with the policy and procedure laid down;
- (iii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (iv) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 30th September, 1985, without any grace period, what-so-ever, provided firm order is placed on or before 31st March, 1985;
- (v) This Licence shall also be subject to condition No. 1. in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (vi) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any other prohibition/or regulation, affecting the imports thereof in force, at the time when such goods are imported.

(vii) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

आदेश सं० 8/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 7/84

नई दिल्ली 12 अप्रैल, 1984

का० आ० 289(ख) :— आयात-निर्यात (नियंत्रण), अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा जिंगों, जुड़-नारों, मोल्ड्स डाईज एवं पैटर्न्स (ढाया क्रामिक के लिए मोल्ड्स सहित) मोल्ड्स के पुर्जों और प्रेस औजारों [1984-85 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द-1) के परिशिष्ट-1 भाग-क, 2 और 3 का भाग-क में प्रदर्शित से भिन्न] और उनके पुर्जों के भारत में आयात की सामान्य अनुमति दक्षिण अफ्रीका संत/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है :—

- (1) आयातक अपने निजी संस्थान में उपयोग के लिए ऐसी मशीनों की आवश्यकता रखते हुए महुनिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या संबद्ध राज्य के उद्योग निदेशक या अन्य संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, जो भी हों, के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) हो,
- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा। यदि वे पुरानी या मरम्मत की गई मर्दें होंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जब कि मशीनरी केवल 7 वर्ष से अधिक से अधिक पुरानी न हो और शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और आयातक निकासी के समय सोमा-शुल्क प्राधिकारी को उस देश के स्वतंत्र व्यावसायिक, मनेदी अभियन्ता / इसके समतुल्य संस्थान से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा जहां से आयात किया जाता है और उसमें निम्नलिखित का दर्शाया जाएगा:-

(क) संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माता का नाम,

(ख) विनिर्माण का वर्ष,

(ग) संयंत्र और मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उसका संभावित शेष जीवन,

(घ) यदि नया खरीदा गया हो, समतुल्य पूंजीगत माल का लागत-बीमा भाड़ा मूल्य,

(ङ) यदि कोई सुधार/मरम्मत की गई है तो उसका विवरण और वे किस तारीख (खों) को किए गए थे,

(च) संभरकों द्वारा पूछी गई कीमत के संबंध में बिचार और ऐसे बिचारों के लिए दिए गए आधार।

- (3) औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण अर्थात् औद्योगिक एकक के रूप में वास्तविक उपयोगिता को जारी किए गए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण संख्या तथा दिनांक और विनिर्मित अंतिम उत्पाद के स्पष्ट देते हुए संबद्ध वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) माल की निकासी के समय संबद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र यह शपथ लेते हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अप्रसारी किया गया है जिस मामलों में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा मलग पंजीकरण संख्या प्रार्थित न की गई हो उनमें आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों को संतुष्टि के लिए अथ उचित साध्य प्रस्तुत करेगा।

(4) 30-4-1984 और 31-3-1985 को आयातित पूंजीगत माल और उसके लागत बीमा भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आयातक मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में मासिकी निवेशक को आयातक विवरण पत्र भेजेगा ऐसा प्रत्येक विवरण पत्र निविष्ट अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।

(5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की अनुसूची-5 में शर्त सं० 1 के भी अधीन होगा।

(6) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका/संघ, दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या विनिर्मित न हो।

(7) ऐसे माल का पोत लदान 31 मार्च, 1985 को या इससे पूर्व भारत को प्रेषण के माध्यम से या 28-2-1985 को या इससे पहले खोले गए अपरिबर्तनीय समुच्च पत्रों के लिए पक्के आदेशों के मर्दें 31 मार्च, 1986 को या इससे पूर्व कर दिया गया हो और जो कुछ भी हो, हममें किसी किस्म की रियायती अवधि की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।

(8) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(9) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे वायिब्य या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उम्मीद छूट या डील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

ORDER NO. 8/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 7/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 289(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Jigs, fixtures, Dies and Patterns, moulds (including moulds for diecasting), and press tools (other than those appearing in Appendices 1 Part-A, 2 and 3 Part-A of the Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I) and parts thereof, subject to the following conditions :—

(1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the DGT, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking ;

(2) The goods so imported shall be of new manufacture. If they are second-hand or reconditioned items their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered engineer/any equivalent institute in the country from which import is made, indicating :—

- (a) Name of manufacture of the plant and machinery ;
- (b) Year of manufacture ;
- (c) Present condition of the plant and machinery and its expected residual life ;
- (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new.
- (e) Nature of reconditioning/repairs done, if any, the date(s) on which these were carried out ;
- (f) Opinion regarding the price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.

(3) The Actual Users (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his industrial licence/Registration giving Certificate, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration issued to the Actual User as an industrial unit and the end-product(s) manufactured, and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the customs authorities.

(4) The importers shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, giving the description of the goods imported and their c.i.f. value, as on 30th September, 1984 and 31st March, 1985. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period concerned.

(5) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955 ;

(6) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa ;

(7) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985 or on or before 31st March, 1986 against firm orders for which irrevocable Letters of Credits are opened on or before the 28th February, 1985, without any grace period, whatsoever ;

(8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported ;

(9) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

आवेश सं० : 9/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं० : 8/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का० आ० 290 (अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से तेल तथा प्राकृतिक गैस आयात (ओ० एन० जी० सी०), आयल इंडिया लि०, सर्वश्री भारत स्वयं खान लि० द्वारा कच्चे माल की सभी भर्तों, संघटकों, उपभोग्य, मशीनरी, उपकरण और यंत्र, उपसाधकों, औजारों और फालतू पुर्जों (किन्तु उपभोग्य माल को छोड़कर, चाहे उसका उल्लेख किसी भी प्रकार क्यों न किया गया हो), का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयात के लिए स्वीकृत मर्चे वे ही अर्चे होंगी जिनकी देशी दृष्टि से महानिवेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली द्वारा निकासी की स्वीकृति प्रदान कर दी गई हो। जहाँ किसी भी इन्वेन्ट्रिकल मद में 5 लाख रु० के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के या इससे अधिक मूल्य के अतिरिक्त उपस्कर और समुद्रीय इलेक्ट्रानिकस उपस्कर और मूल्य की ध्यान में रखे बिना इनके पुर्ण शामिल हों या मूल्य में एक लाख रुपये से अधिक के लिए संचार उपस्कर शामिल हों तो आयात की स्वीकृति इलेक्ट्रानिक विभाग द्वारा निकासी की स्वीकृति प्रदान करने के

बाध ही दी जाएगी। इस संबंध में साक्ष्य सीमाशुल्क प्राधिकारियों को भेजे जाएंगे। नीचे दिए गए पैरा (3) और (4) के लिए देनी निकासी की आवश्यकता नहीं होगी।

- (2) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रखा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किए जाएंगे, लेकिन नीचे के पैरा (3) और (4) में आने वाले को छोड़कर।
- (3) जहाँ सविस्तर संविदाएं उस विदेशी ठेकेदार को दी गयी हैं, जो कार्य के निष्पादन के लिए उपकरण लाता है, वहाँ कि—  
(क) ऐसे उपकरणों के आयात के लिए भुगतान न किया जाता हो और (ख) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयात यह है कि कार्य की समाप्ति पर ऐसे उपकरण पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे। यदि आयातित उपकरण मोजेक्टर या कैमरी, जैसी किसी मद के साथ जोड़ी गई है जो कि उसके पुर्जे बनाती हों तो ऐसी कंप्यूटर इन्फ़रेंस का आयात, ओ० एन० जी० सी० मुख्य उपकरण के साथ उसका पुनः निर्यात करने के लिए दिए गए बचन के अधीन होगा।
- (4) जहाँ सर्वश्री मजगाव डाक्स लि० अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के इसी प्रकार के किसी अन्य उपक्रम को आफ-शोर संविदा दी जाती है और विदेशी इंजीनियरों/विशेषज्ञों की सेवाएं कार्यों को पूरा करने में लगी हुई हैं और ऐसे इंजीनियर/विशेषज्ञ कार्यों के निष्पादन के लिए औजार, यंत्र और उपस्कर लाते हैं, वहाँ कि (क) विपयाधीन माल के आयात का भुगतान नहीं करना होगा और (ख) सर्वश्री मजगाव डाक्स या अन्य सार्वजनिक क्षेत्र का संगठन यह बचन देता है कि आयातित औजार यंत्र और उपस्कर उस कार्य को पूरा होने के पश्चात् पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे।
- (5) ओ० एन० जी० सी० से आफ-शोर संविदाएं प्राप्त करने वाले निजी क्षेत्र के संस्थानों द्वारा माल आयात किया जाता है और ऐसी संविदा के निष्पादन के लिए माल उनके द्वारा अपेक्षित है।
- (6) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा।
- (7) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।
- (8) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) भारत को ऐसे माल का लदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो, 31 मार्च, 1985 को या इससे पूर्व परेषण के साध्यन के कर दिए जाते हैं या मशीनरी और फालतू पुर्जों के मामले में इनका लदान 28-2-1986 को इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे 31 मार्च, 1986 को या इससे पूर्व कर दिया जाता है।
- (10) इस प्रकार का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (11) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने में किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या कील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ORDER NO. 9/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 8/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 290(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, all items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories, tools and spares (but not consumer goods howsoever described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Limited and M/s. Bharat Gold Mines Ltd., subject to the following conditions :—

- (1) The items permitted for import shall be those cleared by the DGTD, New Delhi from indigenous angle. Where import of any electronics items including facsimile equipment for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronics equipment and parts irrespective of value, is involved, or communication equipments for a value more than Rs. one lakh is involved, the import shall be allowed only after clearance is given by the Department of Electronics. Evidence to this effect shall be produced to the customs authorities. Indigenous clearance will not be required under (3) and (4) below.
- (2) The import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose, except under (3) and (4) below.
- (3) Where a service contract has been awarded to a foreign contractor; who brings equipment for execution of work, provided that (a) import of such equipment is not be paid for and (b) the Oil and Natural Gas Commission/M/s. Oil India Ltd. undertakes that such equipment shall be re-exported after completion of the work. If the imported equipment is fitted with any item such as projector or camera which forms its part the import of such consumer durables shall be subject to ONGC undertaking their re-export alongwith the main equipment.
- (4) Where a off-shore contract is awarded to M/s. Mazagaon Docks Ltd. or to any other similar undertaking in the public sector, and services of foreign Engineers/specialists are engaged for completion of the work, and such engineer/specialist brings tools, instruments and equipment for execution of work, provided (a) the import of the goods, in question, is not to be paid for, and (b) M/s. Mazagaon Docks or the concerned public sector organisation undertakes that the imported tools, instruments and equipment shall be re-exported after completion of work.
- (5) The goods are required to be imported by public sector undertaking receiving off-shore contracts from ONGC, and are required by them for execution of such contract.
- (6) The import shall be subject to "Actual User" condition.
- (7) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.
- (8) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (9) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985, or in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March, 1986 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 28th February, 1985, without any grace period whatsoever.
- (10) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

- (11) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

आदेश सं० 10/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 9/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का० आ० 291 (ख) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार द्वारा सामान्य रूप से निम्नलिखित शर्तों के अधीन एयर इण्डिया, इण्डियन एयरलाइन्स और अन्य उन एयर लाइनों को जो आई० ए० टी० ए० के सदस्य हैं, और इसके अन्तर्गत विनिष्कृत शिपों को फालतू पुर्जों, उपभोग्य सामग्री 1984-85 (जिल्द-1) की आयात-निर्यात नीति के परिशिष्ट 5 भाग ख के अन्तर्गत आने वाली ग्रीज और स्टेल्स को छोड़कर एयरक्राफ्ट के टायर और ट्यूम्स, पुस्तिकाओं, तकनीकी दस्तावेज और उनके द्वारा संचालित और रक्षित एयरक्राफ्ट के प्लेट के सम्बद्ध निदर्शन और अन्य तकनीकी साहित्य और सम्बन्धित परीक्षण और प्रशिक्षण उपकरणों को आयात करने की स्वीकृति प्रदान करती है :—

- (1) कोई भी उपभोग्य सामान चाहे उसका किसी भी प्रकार उल्लेख क्यों न किया गया हो, इस खुले सामान्य लाइसेंस की व्यवस्थाओं के अधीन इसे आयात करने की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
- (2) आयातित सर्व "वास्तविक उपभोक्ता शर्त" के अधीन होंगी।
- (3) शिपिंग के समय आयातक एयरलाइन्स और आई० ए० टी० ए० के अन्तर्गत वर्तमान सदस्यता के व्यौरों को दर्शाते हुए सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा।
- (4) एयरक्राफ्ट संचालन अथवा हवाई मार्ग से फसलों पर छिड़कने के कार्य में लगी हुई कंपनियाँ अपने एयरक्राफ्टों के रख-रखाव के लिए सीमा-शुल्क को साध्य प्रस्तुत करते हुए कि आयातक पंजीकृत है या बुकान और संस्कारों के लिए लागू स्थानीय नियम के अधीन कम से कम तीन वर्षों से प्रमाणपत्र प्राप्त किए हुए हैं आयात और निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 2, 3 भाग क, 8 या 10 में दर्शाए गए से भिन्न केवल फालतू पुर्जों का आयात कर सकता है।
- (5) कार्यकारी एयरक्राफ्ट के स्वामी, चाहे निजी अथवा सार्वजनिक क्षेत्र में हों, अपने एयरक्राफ्ट के रख-रखाव के लिए आयात और निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 2, 3 भाग-क, 8 या 10 में दर्शाए गए से भिन्न केवल फालतू पुर्जों का आयात कर सकते हैं।
- (6) आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका से और/या वहाँ उत्पन्न या विनिर्मित नहीं होने चाहिए।
- (7) भारत को माल का लब्धन बिना किसी रियायती अवधि के, चाहे जो कुछ भी हो, 31 मार्च, 1985 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं।
- (8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।
- (9) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।

- (10) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसे किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ORDER NO. 10/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 9/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 291(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to Air India, Indian Airlines and other Airlines who are members of the IATA and other categories specified hereunder, to import spares, consumables (excluding greases and lubricants) covered by Appendix 5 Part B to the Import and Export Policy, 1984-85, (Volume I), aircraft tyres and tubes, manual, technical drawings, illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operated and maintained by them and the associated test and training equipment, subject to the following conditions :—

- (i) No consumer goods howsoever described shall be imported under the provisions of this Open General Licence ;
- (ii) The imported items shall be subject to the "Actual User" condition ;
- (iii) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA ;
- (iv) Companies operating aircraft or engaged in the aerial spraying of crops can import spares, only, other than those appearing in Appendices 2, 3—Part A, 8 and 10, of Import and Export Policy, 1984-85 (Volume I), for maintenance of their aircrafts, on production of evidence to the customs that the importer has been registered or holds a certificate for at least three years under the local law applicable to shops and establishments ;
- (v) Owners of executive aircraft, whether in private or public sector, can import spares only, other than those appearing in Appendices 2, 3 Part-A, 8 or 10 of Import and Export Policy, 1984-85 (Volume I), for maintenance of their executive aircrafts ;
- (vi) The goods imported should not be from and/or have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa ;
- (vii) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985 without any grace period, whatsoever ;
- (viii) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (ix) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported ;
- (x) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

आदेश सं० 11/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 10/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का० आ० 292(अ):—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग

करते हुए केन्द्रीय सरकार इसमें संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत व्यौरों में मदों का, प्रत्येक मद के सामने संकेतित पात्र वास्तविक उपयोगिताओं द्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़कर, किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) अनुसूची में प्रत्येक मद के सामने संकेतिक मूल्य सीमा के भीतर और विनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए आयात किया जाएगा ;
- (2) संलग्न अनुसूची में क्रम सं० 2, 4, 5 और 6 पर उल्लिखित शिकरसा औजार आदि, वैज्ञानिक औजार और मोटर वाहन तथा कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, पात्र आयातक इस प्रावधान के अधीन उसी वित्तीय वर्ष में पहले से ही आयातित ऐसे माल के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के बारे में सीमाशुल्क प्राधिकारी को निकासी के समय घोषणा पत्र देगा ;
- (3) मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में आयातक की सीमा शुल्क प्राधिकारी को, मोटर वाहन अधिनियम, 1939 के अधीन करों के अद्यतन भुगतान/छूट के साथ, सहित, सम्बन्धित वाहन या ट्रैक्टर का वैध पंजीकरण प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना होगा ;
- (4) ये माल 31 मार्च, 1985 को या उससे पूर्व बिना किन्हीं रियायती अवधि के चाहे जो भी हो, भारत को पर्यण जरिये भेजे गए हों ;
- (5) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा।
- (6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-1 के अधीन होगा ;
- (7) इस प्रकार के माल का वास्तव में आयात करने समय ला कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल आयात को प्रभावित नहीं करेगा ;
- (8) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 10/84 दिनांक 12 अप्रैल, 1984 के लिए भ.

सं०	मद	पात्र आयातक, मूल्य सीमा और आयात करने का उद्देश्य
1	2	
1. भोजन और पीव	(1) प्रत्येक और चिकित्सा संस्थानों द्वारा उनके स्वयं उपयोग के लिए अर्थात् किसी भी समय में आयातित माल का ला बीमा-भाड़ा मूल्य 25 रु. रुपये से अधिक नहीं होगा।	
	(2) किसी भी व्यक्ति द्वारा उ निजी उपयोग के लिए कि किसी भी एक समय ऐसे समय में ऐसे ... माल का लागत-बीमा-मूल्य एक हजार रुपये अधिक नहीं होगा ; और	

मह	पात्र आयातक, मूल्य सीमा और आयात करने का उद्देश्य
1	2
	3
	(3) पंजीकृत चिकित्सक द्वारा उनके स्वयं के व्यवसाय में उपयोग के लिए बशर्ते कि एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य पांच हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।
(क) चिकित्सा जिसमें शल्य-चिकित्सा, बाष्पिकल और दन्त चिकित्सा सम्बन्धी औजार, उपकरण और यन्त्र और बदलाई के पुर्जों और उनके अनुषंगी एवं दस्त-चिकित्सा सामान भी शामिल है।	(1) अस्पताल या चिकित्सा संस्थाओं द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान दो लाख रु० से अधिक नहीं होगा।
(ख) आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (शिव.1) के परिशिष्ट 6 की सूची में दर्शाई गई शल्य-चिकित्सा के लिए सीबन और सुइयां	(2) पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।
एन०-रे इन्टेन्सिफाइंग स्क्रीन	अस्पताल और रेडियोलॉजिकल क्लिनिकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य पचास हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।
वैज्ञानिक और मापन औजार एवं रसायन	विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और औद्योगिक के क्षेत्र के डाक्टरों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (जिन सम्बन्ध में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत करने पर) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य दस हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।
परीक्षण उपकरण, परीक्षण औजार और रसायन	राष्ट्र औद्योगिक नियंत्रक की सिफारिश प्रस्तुत करने पर उनके स्वयं के उपयोग के लिए एक वर्ष में 50,000 रुपये (लागत-बीमा भाड़ा) तक के कुल मूल्य के लिए औद्योगिक तथा श्रृंगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अन्तर्गत अनुमोदित परीक्षण प्रयोगशालाएं।
गेटर बाहन और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जें	वह व्यक्ति जिसके पास आयातित बाहन/कृषि ट्रैक्टर है, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपये लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक।
ग्रन्थसामी रेडियो संचार उपकरण जिसमें किट्स उप-साधित (अस्टीना, रोटर, मोटर, लाइन, स्टैंडिंग बैंड रेडियो	लाइसेंसधारी रेडियो ग्रन्थसामी द्वारा उनके निजी कार्यों के लिए इस सम्बन्ध में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत किया

1	2	3
ब्रिज सहित) यन्त्र, फालतू पुर्जें और संघटक शामिल हैं। उपस्कर निम्नलिखित फीक्वेसी रेंज और पावर सीमाओं के भीतर समरूप हों।		जाएगा) वर्णों कि एक वित्तीय वर्ष में आयात किए गए माल का लागत-बीमा भाड़ा मूल्य वह हजार रुपये से अधिक न हों। भारत सरकार, संचार मंत्रालय, वायरलेस योजना एवं सम्बन्ध स्कन्ध की पूर्ण अनुमति के बिना आयातित माल किसी भी पार्टी या व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया जाएगा।

## 1. हाई फ्रीक्वेसी (एच एफ)

मीटर बैंड	फीक्वेसी रेंज	उत्पादन पावर लिमिट
160 एम	1.8 से 2.0 एम एच जेड तक	150 वाट्स
80 एम	3.5 से 4.0 एम एच जेड तक	150 वाट्स
40 एम	7.0 से 7.5 एम एच जेड तक	150 वाट्स
20 एम	14.0 से 14.50 एम एच जेड तक	150 "
15 एम	21.0 से 21.50 एम एच जेड तक	150 "
10 एम	28.0 से 30.00 एम एच जेड तक	150 वाट्स

## 2. बेरि हाई फ्रीक्वेसी (बी एच एफ)

2 एम	144 से 148 एम एच जेड तक	25 वाट्स
------	-------------------------	----------

## 3. अल्ट्रा हाई फ्रीक्वेसी (यू एच एफ)

70 एम	430 से 440 एम एच जेड तक	25 वाट्स
-------	-------------------------	----------

टिप्पणी: हाई फ्रीक्वेसी ट्रांस रिसेप्टर में भी रेजिस्ट्रेशन उद्देश्य के लिए 10 एम. एच. जेड या 15 एम. एच. जेड स्टैंडर्ड फ्रीक्वेसी रिसेप्टर सुविधा शामिल है।

ORDER NO. 11/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 10/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 292(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, the items of the description specified in the Schedule annexed hereto, by eligible Actual Users mentioned against each item, subject to the following conditions :—

- (1) The import shall be within the value limit indicated against each item in the Schedule and for purpose specified ;
- (2) In the case of medical instruments, etc. scientific instruments and chemicals and spare parts of motor vehicles and agricultural tractors, referred to at Serial Nos. 2, 4, 5 and 6 in the annexed schedule, the eligible importer shall, at the time of clearance, give a declaration to the customs authority about the cif value of such goods already imported under this provision in the same financial year ;
- (3) In the case of spare parts of motor vehicles, and agricultural tractors, the importer shall also produce to the customs authority the valid Registration Certificate of the vehicle or the tractor concerned, with an evidence of upto date payment/exemption of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939 ;
- (4) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, 1985, without any grace period, whatsoever ;
- (5) Import shall be subject to "Actual User" condition.

- (6) The licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955 ;
- (7) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when they are actually imported ; and
- (8) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Schedule to OGL No. 10/4 dated the 12th April, 1984

S. No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
1	2	3
1.	Drugs and medicines	(i) Hospitals and medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty-five thousand rupees;
		(ii) Any individual, for his personal use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one thousand rupees; and
		(iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed five thousand rupees.
2. (a)	Medical including surgical, optical and dental instruments, apparatus and appliances and replacement parts and accessories thereof and dental materials.	(i) Hospitals and medical institutions, for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed two lakhs rupees, in a financial year.
	(b) Sutures and needles for surgical purposes appearing in list 5 in Appendix 10 of Import & Export Policy, 1984 85 (Vol. I).	(ii) Registered medical practitioners for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed five thousand rupees, in a financial year.
3.	X-Ray intensifying screens.	Hospitals and radiological clinics for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed fifty thousand rupees.
4.	Scientific and measuring instruments and chemicals.	Professionals in the fields of science, technology, engineering and medicines, for their own purpose (to

1	3
5. Testing equipment, testing instruments and chemicals.	Testing laboratories approved under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, of a total value not exceeding Rs. 50,000 (c.i.f.) in a year for their own use, on production of recommendation of State Drugs Controller.
6. Spare parts of motor vehicles and agricultural tractors.	Persons owning imported vehicles/agricultural tractors, for their own use, upto a c.i.f. value of rupees five thousand in a financial year.
7. Amateur radio communication equipment including kits, accessories (including antenna, rotary motors, feed lines, standing wave, radio bridge) instruments, spares and components. The equipment is to conform within the following frequency ranges and/or limitations;	By licensed radio amateurs for their own purpose (evidence shall be produced to the Customs authorities to this effect) provided the c.i.f. value of such goods imported in a financial year does not exceed Rs. 10,000. Goods imported shall not be transferred to any individual or party without prior permission of the Wireless Planning & Coordination Wing of the Ministry of Communication, Government of India.

#### I. High frequency (H.F.)

Meter Band	Frequency range	Output power limit
160 m	1.8 to 2.0 Mhz	150 watts
80 m	3.5 to 4.0 Mhz	150 watts
40 m	7.0 to 7.5 Mhz	150 watts
20 m	14.0 to 14.50 Mhz	150 watts
15 m	21.0 to 21.50 Mhz	150 watts
10 m	28.0 to 30.00 Mhz	150 watts

#### II. Very High Frequency (VHF)

2 m	144 to 146 Mhz	25 watts
-----	----------------	----------

#### III. Ultra High Frequency (UHF)

70 cms	430 to 440 Mhz	25 watts.
--------	----------------	-----------

Note :—The H.F. transreceivers also incorporate either 10 Mhz or 15 Mhz standard frequency reception facility for calibration purposes.

आदेश सं० 12/84

शुभा सामान्य लाइसेंस सं० 11/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का० प्रा० 293(प्र).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केंद्रीय सरकार अगला आदेश होने तक जहाँ तक संशय कायों में सगे हुए वास्तविक उपयोगिताओं को निम्नलिखित शर्तों के अधीन (1) पूर्ण



गत माल, (2) कच्चे माल, (3) संवटकों, (4) उपभोग्य एवं (5) किसी भी देश में फालतू पुरानों के आयात की सामान्य अनुमति देती है, परन्तु दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका इसमें शामिल नहीं है :—

- (1) आयातक महानिदेशक जहाजरानी बंबई के पास जहाजों की मरम्मत करने वाले एकक के रूप में पंजीकृत है।
- (2) माल का आयात सीमा शुल्क बन्ध परिसर में किया जाएगा।
- (3) आयातित माल का उपयोग समुद्री जहाजों की मरम्मत के लिए सीमाशुल्क बन्ध परिसर में किया जाएगा चाहे वे जहाज भारतीय हों या विदेशी।
- (4) सीमाशुल्क बन्ध के लिए लागू प्रक्रिया का अनुचरण ट्रंजिट बांड को शामिल करते हुए किया जाएगा।
- (5) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के यंत्र में संबद्ध वास्तविक उपयोगिता आयातित मालों का लेखा और उनका लागत बीमा भाड़ा मूल्य तथा जहाजों की मरम्मत कमाई गई विदेशी मुद्रा का लेखा बैंक द्वारा विधिवत् प्रमाणित करा कर संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी एवं महानिदेशक, जहाजरानी, बंबई को प्रस्तुत करेगा।
- (6) आयातक, महानिदेशक, जहाजरानी द्वारा उसको जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र में दी गई सभी शर्तों का पालन करेगा।
- (7) इस प्रकार का माल आयात करने समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (8) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उत्सुकि, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है, जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हों। आयातकों को उन लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ORDER NO. 12/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 11/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 293(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to the Actual Users engaged in ship repairing work, for import of (i) capital goods, (ii) raw materials (iii) components, (iv) consumables and (v) spares, from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions:—

- (1) The importer is registered with the Director General, Shipping, Bombay as a ship repairing unit.
- (2) The goods shall be imported in custom bonded premises.
- (3) The imported goods shall be used in repairs of ocean-going vessels, whether Indian or foreign, in the custom bonded premises.
- (4) The procedure applicable for customs bonding shall be followed including transit bond.
- (5) At the end of each financial year, the Actual User concerned shall give an account of the items and their CIF value imported and used in the ship repairing work and the amount of foreign exchange earned in ship repairs, duly certified by the bank, to the licensing authority concerned, and the Director General Shipping, Bombay. This

55 GI/84—4

return shall be sent through the Customs officer attached to the unit concerned.

(6) The importer shall comply with all the conditions laid down in the Registration Certificate, issued to him by Director General Shipping.

(7) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(8) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

आदेश सं० : 13/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं० : 12/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का० आ० 294(अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के ध्येय-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ के अतिरिक्त किसी भी देश के सरकारी विभागों (केन्द्रीय अथवा राज्य) अथवा सरकारी अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित परियोजना में किसी भी माल के भारत में आयात की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार, विषयाधीन माल का निःशुल्क आयात किया जाता है।
- (2) आयातित माल भारतीय सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच किए गए संगत समझौते के अनुसार और इस संबंध में प्रशासनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र निकाली के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा।
- (3) ऐसे माल का प्रेषण द्वारा भारत में 31 मार्च, 1985 को अथवा उससे पूर्व, बिना किसी रियायती अथवा के, चाहे जो कुछ भी हो, लदान किया जाता है।
- (4) ऐसे माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ में उत्पादित अथवा विनिर्मित नहीं हों; और
- (5) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावित करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

2. इस लाइसेंस के अंतर्गत दो सरकारों के बीच हुए समझौते के अधीन भारत में परियोजना का निष्पादन करने के लिए भारत आने वाले विदेशी विशेषज्ञों के व्यक्तिगत सामान के आयात की अनुमति भी निकासी के प्रशासनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना प्राधिकारी का इस संबंध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि आयातित माल (जिसका व्यौरा प्रमाणपत्र में दिया जाना है) भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के साथ हुए समझौते के अनुसार किया गया है। आयात इस शर्त पर भी होगा कि ज्यों ही संबंधित विदेशी विशेषज्ञ अपना कार्य पूर्ण कर भारत से जाने लगे तो (उपभोग्य माल से भिन्न) अन्य माल का पुनः निर्यात किया जाएगा।

3. यदि माल के आयात के समय उसे आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4. यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या बोनस प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) अन्य कानून(नौ) या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ORDER No. 13/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 12/84

New Delhi, the 12th April, 1984.

S.O. 294(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, any goods by Government Department (Central or State) or projects owned or controlled by Governments, subject to the following conditions:—

(i) The goods, in question, are imported free of cost in pursuance of an agreement between the Government of India and the foreign Government concerned;

(ii) The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned, and a certificate to this effect issued by the administrative Ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the customs authorities at the time of clearance;

(iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985, without any grace period what-so-ever;

(iv) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa; and

(v) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

2. Under this Licence, import will also be allowed of personal effects of foreign expert coming to India under Government to Government agreement for the execution of a project in India on production of a certificate of the Administrative Ministry or the Project Authority concerned, at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumables) are re-exported as soon as the foreign expert concerned leaves India after completion of his assignment.

3. Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

4. The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

आदेश संख्या : 14/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं० : 13/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

क्र० आ० 295(अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा-3 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन रत्न तथा आभूषण और स्वर्णकार एवं शिल्पकारों की सहाकारी समितियों, परिषद् द्वारा स्थापित संस्थानों के प्रयोग के लिए रत्न और आभूषणों के लिए

निर्यात संबंधित परिषद् और रत्न और आभूषणों के लिए निर्यात संबंधित परिषद् और रत्न और आभूषण उद्योग से संबद्ध क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान के पंजीकृत निर्यातकों द्वारा आयात नीति 1984-85 (श्रिष्ट-1) के परिशिष्ट-6 की सूचि-1 में वर्णित गए रत्न और आभूषण के उद्योग के लिए अपेक्षित मशीनरी, उपकरण, परीक्षण, उपकरण, औजारों एवं यंत्रों का आयात करने के लिए दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) आयात "वास्तविक उपयोक्ता" शर्तों के अधीन होगा;
- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा, यदि वह माल पुराना या मरम्मत की गई मशीनों में रूप में होगा तो उसके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जब मशीनरी 7 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और उसकी शेष आयु 5 वर्ष से कम न हो और जिस देश से आयात किया गया हो उस देश के सखी इंजीनियर से माल की निकासी के समय इस संबंध में एक प्रमाणपत्र सीमाशुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाता हो।
- (3) रत्न एवं आभूषण के पंजीकृत निर्यातक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को अपने पंजीकरण का यह विवरण देने हुए कि वे रत्न एवं आभूषण निर्यात संबंधित परिषद् के पास निर्यात के रूप में पंजीकृत हैं और यह शपथ लेते हुए ये घोषणापत्र प्रस्तुत करेंगे कि उक्त पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस किया गया है न अन्यथा रूप से अप्रभावित किया गया है। स्वर्णकारों और शिल्पकारों की सहाकारी समिति इसी प्रकार से सहाकारी समिति के रूप में अपने पंजीकरण के विषय में एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगी।
- (4) रत्न और आभूषण उद्योग से संबद्ध क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों को सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए संबंधित प्राधिकारियों की मान्यता दर्शाने हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए।
- (5) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में उत्पादित अथवा विनिर्मित न हो।
- (6) ऐसा माल 31 मार्च, 1985 को अथवा उससे पहले किसी भी रियायत के बिना भारत को परेषण के माध्यम से लाया दिया गया हो,
- (7) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।
- (8) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (9) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या बोनस प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ORDER NO. 14/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 13/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 295(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of machinery equipments, testing apparatus, tools and implements, required for Gem and Jewellery industry, appearing in List 1 of Appendix 6 of the Import & Export Policy, 1984-85 (Vol. I), by Registered Exporters of gem and jewellery and Cooperative Societies of goldsmiths and

Artisans, Export Promotion Councils for Gem and Jewellery for use in the Institutes set up by the Council and Regional Training Institutes connected with Gem & Jewellery industry, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions :—

- (1) The import shall be subject to "Actual User" conditions;
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and evidence to this effect in the form of a certificate of a Chartered Engineer in the country from which the import is made, is produced to the satisfaction of the Customs authority at the time of clearance.
- (3) Registered Exporter of Gem and Jewellery will furnish to the Customs authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of his registration as an exporter with the Gem and Jewellery Export Promotion Council and affirming that such registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. A Cooperative society or goldsmiths and artisans will, likewise, furnish a declaration about its registration as a Cooperative Society;
- (4) Regional Training Institutes connected with the gem and jewellery industry shall furnish a certificate indicating recognition by the concerned authority to the satisfaction of the customs authority.
- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (6) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March, 1985, without any grace period whatsoever.
- (7) This licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (9) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

आवेश सं० : 15/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं० : 14/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का० आ० 296(अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन (क) सरकारी औद्योगिक संस्थान (विभागों द्वारा परिचालित) (ख) रेलवे, (ग) सार्वजनिक क्षेत्र में राज्य विद्युतीय बोर्ड/परियोजना संस्थान और (घ) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों को पूँजीगत माल, कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्य और फालतू पुर्जों का आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

(1) सरकारी औद्योगिक संस्थानों (विभागों द्वारा परिचालित किन्तु इसमें रक्षा संस्थान शामिल नहीं हैं) और रेलवे के मामले में पूँजीगत

माल, संघटकों, उपभोग्यों और फालतू पुर्जों को खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात करने की अनुमति होगी, बशर्ते कि :—

- (1) आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 2, 3, 8 और 10 के अधीन आने वाली मदों के आयात के लिए महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से देशी निकासी प्राप्त कर ली गई हो।
- (2) जहाँ 5 लाख रु० या इससे अधिक के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य की इलेक्ट्रॉनिक मदें जिनमें प्रतिकृति उपकरण भी शामिल हों और मूल्य को ध्यान में रखे बिना समुद्रीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और उनके पुर्जों या 1 लाख रुपये से अधिक के संचार उपकरणों का आयात शामिल हो, वहाँ इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली से निकासी प्राप्त कर ली गई हो।
- (3) आयातित पूँजीगत माल की मदें वे हैं जो आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-1, भाग-ख, के अंतर्गत आती हैं और आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-1, भाग-क, 2 और 3 भाग-क में शामिल किए गए से भिन्न प्रिन्स जुड़ना, डाइना और पैटर्न मोल्ड्स (आई-कास्टिंग के लिए मोल्ड्स सहित), मोल्ड्स और प्रेस औजार और उनके पुर्जें।
- (4) प्रशासकीय मंत्रालय/वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मुद्दे आयात किया जाता है, और
- (5) निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारी को उपर्युक्त (1), (2) और (4) के आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए जाते हैं।
- (2) राज्य विद्युतीय बोर्ड/परियोजना/सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों और महानिदेशक, "इंटरवर्शन" तथा आकाशवाणी, नई दिल्ली और डाक तार विभाग के मामले में फालतू पुर्जों का आयात खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमेष होगा, बशर्ते कि :—

- (1) इस उद्देश्य के लिए आयात, सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किया गया हो ;
- (2) प्रतिबंधित फालतू पुर्जें अर्थात् जो 1984-85 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द-1) के परिशिष्ट 2 भाग-ख, 3 भाग-क 8 या 10 में आते हैं, उनके लिए देशी निकासी महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो,
- (3) जहाँ 5 लाख रु० के लागत बीमा-भाड़ा मूल्य या इससे अधिक मूल्य की इलेक्ट्रॉनिक मदें और 1 लाख रुपये से अधिक के संचार उपकरणों का आयात शामिल हो, वहाँ निकासी इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो, और
- (4) निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को उपर्युक्त (1), (2) और (3) के आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हों।

(3) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों के लिए निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे :—

- (1) कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन दी जाएगी देखिए आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-6 की मद सं० 1, 2 और 4 किन्तु यह उनमें निर्धारित शर्तों के अधीन है।
- (2) अनुसंधान एवं विकास एक कच्चा माल और अन्य माल आयात करने के लिए पात्र होंगे, देखिए आयात-निर्यात नीति 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 6 की मद सं० 5, किन्तु यह उनमें निर्धारित शर्तों के अधीन है।

- (3) पूंजीगत माल का आयात तभी अनुमेष होगा यदि वह अद्यतन निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-1, भाग-ख में दर्शाई गयी हों और निम्न और जुड़नार के आयात के अनुमति उस नीति के परिशिष्ट-6 की मद सं० 6 के अनुसार दी जाएगी।
- (4) कम्प्यूटर के फालतू पुर्जों का आयात 1984-85 की आयात-निर्यात नीति, (जिल्द-1) के परिशिष्ट-6 की मद सं० 8 के अनुसार अनुमेष होंगी।
- (5) वे मदें जिनका आयात 1984-85 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द-1) के परिशिष्ट-6 के अनुसार खुले सामान्य टाइटिंग के अधीन "वास्तविक उपयोगताओं" और/या; सभी व्यक्तियों द्वारा बर्तान किया जा सकता है जहाँ ऐसे माल का आयात करने वाले औद्योगिक एककों द्वारा कच्चे माल, संघटकों या उपभोग्य सामग्रियों के रूप में अपेक्षित हों।
- (6) वर्ष 1984-85 के दौरान इस प्रकार के आयातों के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा संबद्ध एकक को आर्बिट्ररी विदेशी मुद्रा से अधिक का कुल आयात नहीं होगा और मोमा-मूल्य से निकासी के समय आयातक एकक इस संबंध में एक घोषणा-पत्र प्रस्तुत करेगा कि 1984-85 में संबन्धित आयातक को रक्षा मंत्रालय इस उद्देश्य के लिए कुल दी गई विदेशी मुद्रा की धनराशि से निकासी के अधीन है/जिसकी निकासी पहले ही कर ली गई है, उसका मूल्य उससे ज्यादा नहीं है।

(4) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका में विनिर्मित या उत्पादित नहीं हुआ है।

(5) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से 31-3-1985 को या इससे पहले जहाज पर लाद दिया जाता है या कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्रियों के मामले में 28-2-1985 को या इससे पहले खोले गए अपरिवर्तनीय साखपत्र के लिए दिए गए पक्के आदेशों के मद्दे 30-6-1985 को या इससे पहले माल का लवान कर दिया जाता है या पूंजीगत माल, फालतू पुर्जों के मामले में, माल की की गई पक्की संविदाओं और विदेशी मुद्रा में लेन-देन करने वाले व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए पूंजीकरण के मद्दे 31-3-1986 को या इससे पहले या बिना किसी अवधि वृद्धि के चाहे और जो कुछ भी हो, 28-2-1985 को या इससे पहले जहाज पर लाद दिए जाते हैं।

(6) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य नियेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(7) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो, उसके बाविर से या किसी आवश्यकता, क. अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या ढील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

ORDER NO. 15/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 14/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 296(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government gives general permission to (a) Government Industrial Undertaking (Departmentally-run), (b) Railways (c) State Electricity Boards/Undertakings/Projects, in the public sector, and (d) Public Sector Industrial Undertaking under the Ministry of Defence, to import Capital Goods, raw materials, components, consumable and spares, from any country except the Union of

South Africa/South-West Africa, subject to the following conditions :—

(1) In the case of Government Industrial Undertakings (Departmentally-run excluding, however, Defence Undertakings), and Railways import of Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL provided :—

(i) For import of items covered by Appendices 2, 3, 8 and 10 of the Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I), indigenous clearance has been obtained from DGT, New Delhi.

(ii) Where import of any electronic items including faosimile equipment for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronic equipment and parts, irrespective of value or communication equipments for a value exceeding rupees one lakh is involved, clearance has been obtained from the Department of Electronics, New Delhi.

(iii) Items of Capital Goods imported are those covered by Appendix 1 Part-B of Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I) and jigs, fixtures, dies and patterns, moulds (including moulds for diecasting) and press tools, other than those in Appendices 1 Part A, 2 and 3 Part-A of Import and Export Policy, 1984-85 (vol. I) and parts thereof.

(iv) Import is made against foreign exchange released by the Administrative Ministry/Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs) and

(v) Necessary evidence of (i), (ii) and (iv) above is produced to the customs authority at the time of clearance.

(2) In the case of State Electricity Boards/Projects/Undertakings, in the public sector, and the Director Generals "Doordarshan" and All India Radio, New Delhi and Posts & Telegraphs Department, import of spares only will be allowed under OGL, provided :—

(i) Import is made against foreign exchange released by the Government for the purpose;

(ii) In respect of restricted spares i.e. those covered by Appendices 2 Part-B, 3 Part-A, 8 or 10 of the Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I), indigenous clearance has been obtained from DGT, New Delhi.

(iii) Where import of any electronic items or a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more or communication equipment for a value exceeding rupees one lakh is involved, clearance has been obtained from the Department of Electronics, New Delhi; and

(iv) Necessary evidence of (i), (ii) and (iii) above is produced to the customs authority at the time of clearance.

(3) In the case of public sector Industrial Undertaking under the Ministry of Defence, the following provisions will apply :—

(i) Import of raw materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL vide item Nos. 1, 2 and 4 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I), subject to the conditions laid down therein;

(ii) R&D units will be eligible to import raw-materials and other items vide item No. 5 in App. 6 of the Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I), subject to the conditions laid down therein;

(iii) Import of Capital Goods will be allowed only if they appear in Appendix 1 Part-B of Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I) and import of jigs and fixtures etc. will be allowed vide item No. 6 in App. 6 of the said Policy.

(iv) Import of computer spares will be allowed vide item No. 8 in App. 6 of Import and Export Policy 1984-85 (Vol. I).

(v) Import of items which can be imported by 'Actual Users' and/or "All persons" under OGL, vide App. 6 of Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I), where such goods are required as raw materials, components or consumables by the importing industrial units.

(vi) The total value of imports shall not exceed the foreign exchange allocated to the industrial unit concerned by the Ministry of Defence for the purpose of such imports during the year 1984-85, and, at the time of clearance through customs, the importer unit shall submit a declaration to the effect that the value of goods under clearance/already cleared does not exceed the total amount of foreign exchange released for the purpose by the Ministry of Defence to the importing unit concerned in 1984-85.

(4) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South-West Africa.

(5) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31-3-1985 or in the case of raw-materials, components and consumables, the goods are shipped on or before 30-6-1985 against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before 28-2-1985, or, in the case of Capital Goods, spares, these are shipped on or before 31-3-1986, against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) or before 28-2-1985, without any grace period, whatsoever.

6. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(7) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

आदेश सं० 16/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 15/84

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 1984

का०आ० 297 (अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) का धारा-3 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस आदेश से संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत विवरण के माल का दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है:—

(1) क्रम सं० 1 में शामिल 'अध्यापन सहाय' के मामले को छोड़कर इस आदेश से संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी मदें किसी भी व्यक्ति द्वारा स्टॉक करने और बिक्री करने के उद्देश्य के लिए आयात की जा सकती हैं।

(2) 'अध्यापन सहाय' के मामले में आयात की अनुमति केवल माध्यता प्राप्त शैक्षिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों, इन संस्थानों के पुस्तकालयों, केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों, अनुसंधान और विकास कार्यों में लगी हुई औद्योगिक यूनिटों, पंजीकृत शिक्षितकों, अस्पतालों, परामर्शदाताओं, मान्यताप्राप्त वाणिज्य मंडलों, उत्पादकता परिषदों, प्रबंध संघों और व्यावसायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए दी जाएगी

(3) दलों के मामलों में, सभी पात्र निर्यातकों को भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) के पास स्वयं को पंजीकृत कराना होगा। आयात सभी किए जाएंगे जब कि ऐसे पंजीकरण के माध्यम के रूप में संबंधित संविदा पर नेफेड द्वारा मुहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिए अनुबंध की दो प्रतियां नेफेड को दी जानी चाहिए। वे उसकी एक प्रति के प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत् मुहर लगा कर आयातक को लौटा देंगे, जो माल की निकासी के समय सीमा शुल्क कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी।

(4) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकों के आयात के मामले में निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी:—

(क) शिक्षा व संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली से पहले ही लिखित रूप में निकासी की अनुमति लिए बिना लाइसेंस अवधि के दौरान एक ही शीर्षक की 1,000 प्रतियों से अधिक के आयात की अनुमति एक ही आयातक (उसकी शाखाओं सहित) को नहीं दी जाएगी। लेकिन, यह प्रतिबंध अंग्रेजी भाषा पुस्तक सोमायटी शीर्षकों और संयुक्त भारत-रूस पठ्य पुस्तक कार्यक्रम के अन्तर्गत की पुस्तकों के लिए लागू नहीं होगा।

(ख) विशेष संस्करण की उन पुस्तकों के आयात की अनुमति वहां दी जाएगी जिनके प्राधिकृत भारतीय पुनः मुद्रण के संस्करण उपलब्ध हैं।

(ग) शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली को पूर्व लिखित विशेष अनुमति के बिना भारतीय प्रकाशनों के विदेशी पुनः मुद्रणों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(घ) भारतीय मद्रद तट के केशव ऐसे नी परिवहन संबंधी शर्तों के आयात की अनुमति दी जाएगी जिनका संस्था हाइड्रो-ग्राफर, भारत सरकार, देहरादून द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो।

(ङ) अश्लील सामग्री वाली या यौन चित्र करने वाली या हिंसा बढ़ाने वाली पुस्तकों, पत्रिकाओं और समाचार पत्रिकाओं और पहले ही रिकार्ड किए गए कैसेट के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(च) विशेष में प्रकाशित पुस्तकों के अप्राधिकृत पुनः प्रकाशनों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीमा शुल्क के माध्यम से, निकासी के समय, आयातक यह दर्शाते हुए एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेंगे कि आयातित पुस्तकों में वे पुस्तकें शामिल नहीं हैं, जो आयात-निर्यात नीति 1984-85 में अनुमेष नहीं है।

(छ) रिकार्ड/पहले से ही रिकार्ड किए हुए कैसेट जो पूर्ण रूप से शैक्षिक प्रकृति की पुस्तक के अभिन्न भाग हों, संभरकों से प्रमाणित कर दिया हो कि रिकार्ड/पहले से रिकार्ड किए हुए कैसेट के अभिन्न भाग हैं और संबंधित बीजक रिकार्ड/पहले से रिकार्ड किए गए कैसेट की व्यौरा दर्शाता हो।

(5) औषधियों के मामले में, जहां कहीं आवश्यक हो, औषध एवं शृंगार प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन बंध लाइसेंस रखने की आवश्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए।

(6) खजूरो, होम्योपैथिक औषधियों, केंगर निरोधक भेषजों, जीवन रक्षक भेषजों और अपरिष्कृत भेषजों के मामले में, परम्परागत छोटे पैकिंग में भी आयात अनुमेष होगा।

(7) अनुसूची की मद संख्या 10 और 11 पर उल्लिखित मसालों और खजूरों के मामले में आयात मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(अनुश्रवण एवं सहायता सेल) उद्योग भवन, नई दिल्ली को निम्नलिखित प्रपत्र में एक त्रैमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा:—

1. आयातक का नाम और पता
2. आयात की गई पण्य वस्तु का विवरण
3. सीमा शुल्क से निकासी की तिथि
4. आयातित मात्रा
5. आयात किए गए साल परेषण का कुल लागत बीमा-भाड़ा मूल्य
6. यूनिट कीमत (रुपयों में)

प्रत्येक तिमाही की रिपोर्ट संबंधित तिमाही के अगले महीने की 15 तारीख तक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को पहुंच जानी चाहिए।

- (8) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ में उत्पादित या विनिर्मित न हो।

- (9) ऊर्जा बचत/संरक्षण उपकरणों जिसमें ऊर्जा के नवीकरणीय और परिवर्तक पर काम करने/प्रयोग करने के सिस्टम और डिवाइस भी शामिल हैं वहां आयातक की नान-कन्वेंशन एनर्जी स्रोत विभाग, ब्लॉक नं० 14, सोधी रोड, जी०सी०ओ० कम्प्लेक्स, नई दिल्ली-3 सीमा शुल्क से माल की निकासी के 15 दिनों के भीतर आयातित उपकरण से संबंधित निम्नलिखित सूचना भेजेगा:—

- (1) आयातित उपकरण का विवरण
- (2) उसका लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य
- (3) आयातित उपकरण पर चुकाई गई सीमा शुल्क कर की धनराशि
- (4) वह वेग जिससे आयात किया गया।

- (10) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च, 1985 को या इससे पहले पोत पर लाया गया हो।

- (11) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त सं० 2 के भी अधीन होगा।

- (12) यदि किसी माल के आयात के समय लागू उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई निषेध या विनियम होंगे तो उस पर इस लाइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा।

- (13) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या ढील प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

खुला सामान्य लाइसेंस सं० : 15/84 के लिए अनुसूची

दिनांक : 12 अप्रैल, 1984

1. निम्नलिखित अध्यापन सहाय :—

- (1) शैक्षिक प्रवृत्ति की माइक्रोफिल्म और माइक्रो-फिचज
- (2) शैक्षिक प्रवृत्ति के प्री-रिकॉर्डिड वीडियो और आडियो कैसेट्स, फिल्मसिट्रप्स सहित या रहित

2. ब्रेल टाइपराइटर सहित अन्य व्यक्तियों के लिए अपेक्षित औजार और उपकरण

3. आयात-निर्यात नीति, 1984-85 जिल्द (1) के परिशिष्ट 6 की सूची 7 में जाने वाले शैक्षिक वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकें और पत्रिकाएं, समाचार पत्रिकाएं और समाचार पत्र

4. आयात और निर्यात नीति 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-6 की सूची-2 में आने वाले जीवनदायक उपकरण और उनके फालतू पुर्जे

5. परिवार कल्याण उपस्कर/यंत्र उपकरण अर्थात् निम्नलिखित :—

- (1) (क) नेबरेलकोब  
(ख) कण्ट स्कोप,  
(ग) हाइस्ट्री-स्कोप  
(घ) बैक्कम संकशन एपरेट्स  
(ङ) उनके उप-माधुन्य और फालतू पुर्जे भी, और

- (2) रबड कंट्रा-सेपटिव यंत्र (केवल डाय फागस),

- (3) इन्ट्रि-टेरिन कंट्रा-सेपटिव यंत्र (लिव्म लूप और सीयूटी 200 में भिन्न)\*

- (4) प्लोपिक रिंस (मिलारिटिक बैन्ड्स)

6. आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 6 की सूची 3 में आने वाले परिष्कृत भेषज प्री-परेषण, जीवनदायक और कैंसर-रोधी भेषज।

7. परिष्कृत रूप में होम्योपैथिक औषधियां या मूल रूप में और/या किसी भी पोटेनसी के होम्योपैथिक भेषज (सिगल) 'दुग्ध चीनी' सहित थोक में और बायोकेमिक औषधियां।

8. आयात-निर्यात नीति 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-6 की सूची-4 के अनुसार आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियां बनाने के लिए अपेक्षित अपरिष्कृत भेषज (जेड, मोतियों और मोगों के आयात की अनुमति केवल पूर्ण रूप में और केवल गैर आभूषण किस्म के लिए दी जाएगी)।

9. बाल

10. निम्नलिखित मगाले :—

- (1) बाल-चीनी/सिजपात

- (2) लींग

11. खजूर (शीले या सूखे) (भारतीय पोत आधानों द्वारा आयातित)

12. संधा तमक

13. (1) निम्नलिखित एक्स-रे फिल्मों (चिकित्सा)

- (1) साइन एनियोग्राफिक फिल्में
- (2) कापिंग फिल्में (एक्स-रे रेडियोग्राफ कापिंग के लिए)
- (3) दस्त्य एक्स-रे फिल्म
- (4) बिना स्क्रीन के उपयोग की जाने वाली फिल्में

\*रंगीन कंडोम्स, द्राक्षाकराम, जैली और टिकियां, भारत के औषध नियंत्रक, नई दिल्ली द्वारा यथा अनुमोदित।

- (5) फोटोजे मेमो-ग्राफिक फिल्म
- (6) माल मिनेएवर फिल्म
- (7) इन्वीक्रेटिंग फिल्मों के लिए 35 मि०मी० नेगेटिव और रिवर्सल किस्म की फिल्में
- (8) परमोनल जिनुअवण फिल्में
- (9) बेजर्स के उपयोग के लिए विशेष किस्म की एक्स-रे फिल्में
- (10) क्रेट स्कैनर्स के लिए एक्स-रे फिल्म
- (2) एरो-ग्राफिक फिल्में
- (3) फोटो-टाइप सैटिंग आर सी/स्टेबिलाइजेशन पेपर
- (4) मृदण उद्योग के लिए थर्मो-ग्राफिक पोलिमिड रेजिंग और एम्बोसिंग पाउडर
- (5) माइक्रो-फाइल फिल्में
- (6) इन्फ्रारेड अल्ट्रा-वायलेट फिल्में
- (7) गुदे शल्य चिकित्सा फिल्में

14. हाथ-घड़ी/दीवार घड़ी और टाइम पीस के लिए स्नेहक तेल

15. फिशिंग ड्रव्स

16. (1) शैक्षणिक और उपदेश संबंधी छोटी फिल्मों, यदि ये फिल्में सेगर बोर्ड द्वारा 'प्रथमतः कथात्मक शैक्षिक' और कथात्मक सत्यापित की गई हों।

(2) लम्बाई में 600 मीटर से कम लम्बी 'कथात्मक शैक्षिक और अनुदेशात्मक' वे फिल्में जो फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा "प्रधानतः शैक्षिक" फिल्में घोषित की गई हों।

17. फोटो-ग्राफिक फिल्मों (रंगीन)

18. फोटो-ग्राफिक कालर पेपर

19. 120 साइज रोलम से भिन्न फोटोग्राफिक फिल्मों (सादा)

20. भाषा सीखने के लिए रिकार्ड

21. रक्षा मन्त्रे

22. निम्नलिखित मिनेमाटोग्राफिक फिल्मों, अन-निर्दिष्ट :—

(1) 8 एम० एम० (रंगीन) और

(2) 8 एम० एम० (ब्लैक और व्हाइट नेगेटिव)

23. 1984-85 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द-1) के परिशिष्ट-6 में सूची सं० 6 के अनुसार दत्तय सामग्री।

24. आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 6 की सूची 9 के अनुसार आपूर्तात्मिक मदें।

25. ओजोन जनरेटिंग अपरेट्स

26. निम्नलिखित ऊर्जा के नवीकरणीय और परिवर्तक स्रोतों पर काम करने/प्रयत्न करने के सिस्टम और डिवाइस सहित ऊर्जा खोज/संरक्षण उपस्कर :—

(1) वायु चालक जनरेटर

(2) सौर ऊर्जा उपस्कर

(3) ऑटोमेटिक इलैक्ट्रॉनिक ट्रेकिंग टाइप के लिए पैराडिक्स फोकिस्टिंग सिस्टम जिसमें फोटो इलैक्ट्रॉनिक सेंसर भी शामिल हैं।

(4) पोर्टेबल एक्स-रे गैस और कम्बिनेट एनालाइजर।

(5) स्ट्रीम ट्रेप लीक डिटेक्टर

(6) अल्ट्रासोनिक स्ट्रीम लीक डिटेक्टर

(7) सोलर हीट कंट्रोल फिल्म

27. आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 2, 3 भाग के, 4 भाग के, 8 और 10 में दशाए गए से भिन्न निम्नलिखित के फालतू पुर्जे :—

(1) मृदण मशीनरी

(2) मशीनी औजार, धातु, लकड़ी, कांच और प्लास्टिक को काटने, रूप देने, घिसने और पालिश करने के लिए, किसी भी मानक या अनुषंगी उपस्कर सहित, और

(3) निम्नलिखित सहित मिनेमाटोग्राफिक उपस्कर :—

(1) पिक्चर और साउन्ड प्रिंटिंग लेम्प्स

(2) प्रोजेक्शन लेम्प्स-जेनोन या अंगस्टन।

(3) मिनेमाटोग्राफ लेंसों सहित लेंस/जूम लेंस

(4) प्रोजेक्शन वायूम इंजी केटर्स।

(4) ट्रान्स

ORDER NO. 16/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 297(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, goods of the description specified in the Schedule annexed to this Order, subject to the following conditions :—

(1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1, all other items covered by the Schedule annexed to this Order, may be imported by any person, for stock and sale purpose;

(2) In the case of "Teaching Aids", import will be allowed only by recognised educational, scientific, technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government Departments, industrial units engaged in research and Development work, registered medical institutions, hospitals, consultants, recognised chambers of Commerce, productivity councils, management Associations and professional bodies, for their own use;

(3) In the case of pulses, all eligible importers shall be required to register their contracts with the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED). Import shall be made only after the connected contracts have been stamped by NAFED as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the NAFED; they will return one copy to the importer, duly stamped on each page, for production to the customs at the time of clearance of goods;

(4) In the case of import of educational, scientific and technical books, the following conditions shall apply;

- (a) Import will not be permitted by any one importer (including his branches) of more than 1000 copies of a single title during the licensing period without the prior written clearance of the Ministry of Education and Culture, New Delhi. This restriction will not, however, apply to the English Language Books, Society titles and books under the Joint Indo-Soviet Text Book Programme;
- (b) Import of foreign edition of books for which editions of authorised Indian reprints are available will not be allowed;
- (c) Import of foreign reprints of Indian publication will not be allowed without a specific prior written permission of the Ministry of Education and Culture, New Delhi.
- (d) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun;
- (e) Books, magazines and journals and pre-recorded cassettes containing pornographic materials or depicting sex, violence etc. will not be allowed to be imported.
- (f) Import of unauthorised reprints of books published abroad will not be allowed. At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish declaration to the effect that the books imported do not include those which are not allowed under Import-Export Policy, 1984-85.
- (g) In case of records/pre-recorded cassettes forming an integral part of the book and of purely educational nature, the supplier has certified that records/pre-recorded cassettes form an integral part of the book and the connected invoice indicates the details of records/pre-recorded cassettes.

(5) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drug and Cosmetics Act, 1940, wherever necessary, should be complied with;

(6) In the case of dates, homeopathic medicines, anti-cancer drugs, life-saving drugs and crude drugs, import will also be allowed in traditional small packing;

(7) In the case of spices, and dates, referred to at items Nos. 10 and 11 of the Schedule, the importer shall furnish to the Chief Controller of Imports & Exports (Monitoring & Assistance Cell), Udyog Bhavan, New Delhi, quarterly reports of imports in the following proforma :—

1. Name and address of the importer.
2. Description of the commodity imported.
3. Date of clearance through customs.
4. Quantity imported.
5. Total cif value of the consignments imported.
6. Unit price (in rupees).

The report in respect of each quarter should reach the Chief Controller of Imports & Exports by the 15th day of the month following the concerned quarter.

(8) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

(9) In the case of energy saving/conservation equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternate Sources of Energy, the importer shall furnish to the Department of Non-Conventional Energy Sources, Block No. 14,

Lodi Road, C.G.O. complex, New Delhi-110003, the following information pertaining to the equipment imported within 15 days of the clearance of goods from the customs :—

- (i) Description of the equipment imported;
  - (ii) Its cif value;
  - (iii) Amount of customs duty paid on the imported equipment;
  - (iv) Country from which imported.
- (10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985, without any grace period, whatsoever;
  - (11) This Licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955;
  - (12) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
  - (13) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

#### SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/84

New Delhi, the 12th April, 1984

##### 1. Teaching Aids, the following :—

- (i) Microfilms and Microfiches of educational nature ;
- (ii) Pre-recorded video and audio cassettes of educational nature, with or without film strips.

##### 2. Instruments and equipment required by blind, including Braille typewriters.

3. Educational, scientific and technical books and journals news magazines and newspapers appearing in list 7 of Appendix 6 of Import & Export Policy, 1984-85 (Vol. I).

4. Life-saving Equipment appearing in list No. 2 of Appendix 6 of Import and Export Policy, 1984-85 (Vol. I) and their spares.

##### 5. Family welfare equipment/instruments, appliances, namely, the following :—

- (i) (a) Laproscope;
- (b) Culdscope;
- (c) Hysteroscope;
- (d) Vacuum Suction apparatus;
- (e) as well as their accessories and spares; and
- (ii) Rubber contraceptives (diaphragms only).
- (iii) Intrauterine contraceptive devices (other than the Lippos Loop and Cu-T200), coloured condoms, diaphragms, jelly and foam tablets, as approved by Drugs Controller of India, New Delhi.
- (iv) Falopic rings (silastic bands).

6. Finished drug preparations, life saving and anti-cancer drugs appearing in List No. 3 in Appendix 6 of the Import & Export Policy for 1984-85 (Vol. I).

7. Homoeopathic medicines in finished form or Homeopathic drugs (single) in basic form and/or of any potency, including Sugar and Milk in bulk and biochemic medicines.

8. Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani medicines, as appearing in List No. 4 in Appendix 6 of Import & Export Policy for 1984-85 (Vol. I) (Import of jade, pearls, and corals will be allowed only in powder form and non-jewellery quality only).



9. Pulses.
10. Spices, the following :
  - (i) Cinnamon/Cassia,
  - (ii) Clove.
11. Dates (wet or dry) (imported by Indian Sailing Vessels)
12. Rock Salt.
13. (i) X-ray films (medical), the following :
  - (1) Cine angiographic films
  - (2) Copying films (for copying X-ray radiograph)
  - (3) Dental X-ray film
  - (4) Films for use without screens.
  - (5) Lo-dose mammographic films.
  - (6) Mass miniature film
  - (7) 35 mm negative and reversal types for duplicating films.
  - (8) Personal monitoring films.
  - (9) Special types of X-ray films used for changers.
  - (10) X-ray films for cat scanners.
- (ii) Aerographic films
- (iii) Photo type setting RC/Stabilisation paper
- (iv) Thermo graphic polymid raising and embossing powder for printing industry.
- (v) Microfilm films.
- (vi) Infra-red and ultra-violet films.
- (vii) Kidney surgery films.
14. Lubricating oils for watches, clocks, time-pieces and house service meters.
15. Fishing hooks
16. (i) Non-fictional educational and instructional films, certified by the Board of Film Censors to be "predominantly educational and non-fictional"
- (ii) Fictional educational and instructional films of less than 600 meters in length, certified by the Board of Film Censors to be "predominantly educational".
17. Photographic films (colour).
18. Photographic colour papers
19. Photographic films (black and white) other than 120 and 620 size rolls.
20. Records for learning languages.
21. Rudraksha beads.
22. Cinematographic films, not exposed, the following :
  - (i) 8 mm (colour) and
  - (ii) 8 mm (black and white negative)
23. Dental items as per list No. 6 in Appendix 6 of Import & Export Policy for 1984-85 (Vol. I).
24. Items of ophthalmic use as per list 9 in Appendix 6 of Import & Export Policy (Vol I) for 1984-85.
25. Ozone generating apparatus

26. Energy saving/conservation equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternative Sources of Energy, the following :—

- (i) Wind driven generators.
- (ii) Solar Energy equipment.
- (iii) Parabolic focusing systems of the automatic electronic tracking type, including photoelectric sensors.
- (iv) Portable exhaust gas and combustion analysers.
- (v) Steam trap leak detector.
- (vi) Ultrasonic steam leak detector.
- (vii) Solar heat control films.

27. Spares, except those included in the Appendices 2, 3 Part. A, 4 part A, 8 and 10 of Import & Export Policy 1984-85 (Vol.I) of :—

- (1) Printing machinery.
- (2) Machine tools, for cutting, forming, abrading and polishing metals, wood, glass and plastics including and standard or ancillary equipment, and
- (3) Cinematographic equipment including the following :—
  - (i) Picture and sound printing lamps.
  - (ii) Projection lamps—Xenon or tungsten
  - (iii) Lenses/zoom lenses including cinemascope lenses
  - (iv) projection volume indicators.
- (4) Trawlers

आदेश सं० 17/84

बुला सामान्य लाइसेंस सं० 16/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का० आ० 298(अ) :—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड, 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा (क) कृषि-मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित पाल्ट्री फार्मों/अण्डज शालाओं को पाल्ट्री बैक्सीन (सभी प्रकार के), (ख) 10.2 लीटर और इससे कम पानी की क्षमता वाले चिकित्सा गैस सिलिंडर, (ग) मित्रैलिक एसिड (घ) ग्रेप गार्ड पेपर और (ङ) फोटोग्राफिक रसायन-डिबेलपर्स, जुड़नारों, इन्टेमिकायर्स, रिड्यूम्स, टनर्स और विजनिंग एजेंट्स का औद्योगिक एकक को दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी देश से आयात करने के सामान्य अनुमति देती है :—

1. पाल्ट्री बैक्सीन के आयात के मामले में :—

- (1) सीमा-शुल्क से माल की निकासी के समय आयातक कृषि विभाग, नई दिल्ली से या सम्बद्ध राज्य के पशुपालन/पशु चिकित्सा सेवाओं के निदेशक से सम्बद्ध पार्टी के लिए सामग्री (विवरण/मात्रा/मूल्य) की अनिवार्यता के सम्बन्ध में एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा।
- (2) सम्बद्ध आयातक, सीमा शुल्क से प्रेषण की निकासी के 15 दिनों के भीतर कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय को आयातित मर्दों, उनकी मात्रा और उनके लागत-शीमा-भाड़े के व्ययों के सम्बन्ध में सूचना भेजेगा।
- (3) आयातित माल सम्बद्ध पाल्ट्री फार्मों/अण्डज शालाओं के वास्तविक उपयोगिता शर्त के अधीन होगा।

2. चिकित्सा गैस मिलिडर के मामले में आयात की स्वीकृति उन वास्तविक उपयोगकर्ताओं (औद्योगिक) को दी जाएगी जिनके पास चिकित्सा गैस (आक्सीजन) और नाइट्रस आक्साइड के विनिर्माण के लिए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण है और उनके पास औषध तथा श्रृंगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अधीन जारी किया गया वैध लाइसेंस है।

यह निम्नलिखित शर्तों के भी अधीन होगा :—

- (1) आयातित चिकित्सा गैस मिलिडरों का उपयोग केवल चिकित्सा प्रयोजनार्थ चिकित्सा गैस कम्प्रेसिंग और सप्लाय के लिए ही होगा।
- (2) आयात किए जाने वाले मिलिडरों और इसमें लगे जाने वाले मुख्य नियंत्रक, डिस्कोटक द्वारा अनुमोदित होने चाहिए और गैस मिलिडर नियम, 1981 के अधीन उपयोग के लिए स्वीकृत हों।
- (3) आयातित मिलिडर आयात करने की तिथि से 10 वर्ष की अवधि के लिए चिकित्सा गैस में निम्न अन्य किसी गैस सेवा के लिए उपयोग में नहीं लाए जाने चाहिए।
- (4) आयातक मुख्य नियंत्रक, डिस्कोटक से गैस मिलिडर नियम, 1981 के अधीन अतिरिक्त आवश्यक अनुमति प्राप्त करेगा।

3. (1) विद्युत्तक एमिड और ग्रेप गार्ड पेपर के मामले में पात्र आयातक केन्द्र या राज्य सरकार/मंच शासित क्षेत्र के कृषि विकास निगम सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कृषकों की सहकारिता समितियाँ, कृषकों के संघ होंगे। आयातित माल केवल अंगूर के उत्पादकों के वितरण के लिए होगा और आयातक आयातित माल के वितरण का उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेख की सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी और सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

4. उपर्युक्त (5) में उल्लिखित फोटो रसायनों के मामले में (1) शाप इस्टेब्लिशमेंट के लिए लागू स्थानीय कानून के अधीन पंजीकृत वास्तविक उपयोगकर्ता और (2) राज्य उद्योग निदेशक द्वारा प्रमाणित फिल्म स्टूडियो, फिल्म संसाधन प्रयोगशालाएँ, परीक्षण प्रयोगशालाएँ पात्र आयातक होंगी।

5. माल की निकासी के समय आयातक सम्बद्ध प्राधिकारी के पास मान्यता/पंजीकरण के व्योरे अर्थात् मान्यता/पंजीकरण प्रमाण पत्र की संख्या एवं विवरण के व्योरे देते हुए सीमा शुल्क प्राधिकारी को एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा कि ऐसी मान्यता/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या अन्यथा रूप से अप्रभावी नहीं किया गया है। ऐसे मामलों में जहाँ सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा अलग मान्यता/पंजीकरण संख्या आबंटित नहीं की गई है तो आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारी को सतुष्टि के लिए अन्य सक्षम प्रस्तुत करेगा।

6. आयातक इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात किए गए माल के उपयोग और उपयोग का लेखा निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से रखेगा और लेख को ऐसे समय के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी को या अन्य सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा जो इन प्राधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट किया जाए।

7. इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या विनिर्मित न हो।

8. ऐसा माल किसी भी रियायती अवधि, चाहे वह जो कुछ भी हो, के बिना 31 मार्च, 1985 को या इनसे पहले परेषण के माध्यम से भारत के लिए लादा गया हो।

9. यह लाइसेंस आयात नियंत्रण आदेश, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त सं० 1 के भी अधीन होगा।

10. किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य विधेय या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

11. अन्य कानून या विनियमों के अन्तर्गत वास्तविक उपयोगकर्ता को जो अनिवार्यता या अनुपालन पूर्ण करते हैं यह लाइसेंस उनसे कोई उम्मुक्ति छूट या रियायत किसी भी समय प्रदान नहीं करता है। आयातकों को सभी अन्य कानूनों के उपबन्धों का पालन करना चाहिए जो उन पर लागू हैं।

[मिलिडर सं० आई पी सी 3/2/84]

ORDER NO. 17/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 16/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 298(E).—In the exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of (a) poultry vaccines (all types) by poultry farms/hatcheries approved by the Ministry of Agriculture, Government of India, New Delhi, (b) Medical Gas Cylinders of 10.2 litre water capacity and below, (c) Gibberellic Acid, (d) Grape Guard Paper and (e) Photographic chemicals—developers, fixers, intensifiers, reducers, toners and cleaning agents, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions :—

(1) In the case of import of poultry vaccines —

- (i) The importer shall, at the time of clearance of goods from the customs, furnish a certificate from the Ministry of Agriculture, New Delhi or the concerned State Director of Animal Husbandary/Veterinary Services, regarding the essentiality of the material (description/quantity/value) to the party concerned.
- (ii) The importer concerned shall, within 15 days from the date of the clearance of the consignment from Customs, intimate to the Ministry of Agriculture and Cooperation, New Delhi, particulars of the items imported, their quantity, and cif value.
- (iii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm/hatchery concerned.

(2) In the case of medical gas cylinders, import shall be allowed to Actual Users (Industrial) having Industrial licence/registration for manufacture of medical gas (oxygen) and nitrous oxide and having valid licence issued under the Drugs and Cosmetics Act, 1940. It shall also be subject to the following conditions :—

- (i) Imported medical gas cylinders shall be used only for medical purposes for compressing and supplying medical gas.
- (ii) Cylinders and valves fitted thereto to be imported must be of a type as approved by the Chief Controller of Explosives and accepted for use under the Gas Cylinder Rules, 1981.
- (iii) Cylinders imported should not be used for any gas service other than the medical gas for a period of 10 years from the date of importation.
- (iv) The importer shall obtain necessary permission from the Chief Controller of Explosives as required under the Gas Cylinder Rules, 1981.

(3) In the case of (i) Gibberellic acid and (ii) Grape Guard paper, the eligible importers will be agriculture development corporations of the Central or State Government

Union Territory, co-operative societies of farmers, and Associations of farmers recognised by Government. The imported material shall be for distribution to Grape growers only and the importer shall maintain proper account of distribution of the imported goods and produce such account to the licensing authority and other concerned Government authorities.

(4) In the case of photographic chemicals referred to in (c) above, the eligible importers will be (i) Actual Users registered under the local law applicable to shops and establishments and (ii) Film Studios, film processing laboratories and testing laboratories certified as such by the State Director of Industries.

(5) At the time of clearance of goods, the importer shall furnish to the Customs authority a declaration giving particulars of recognition/registration with the authority concerned, namely, number and date of recognition/registration certificate and affirming that such recognition/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate recognition/registration number has not been allotted by the authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authority.

(6) The importer shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the firm and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.

(7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

(8) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985, without any grace period, whatsoever.

(9) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Import (Control) Order, 1955.

(10) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, or any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(11) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File. No. IPC 3/2/84]

आवेश संख्या 18/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 17/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का०आ० 299 (अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार 100 प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिटों के रूप में अनुमोदित वास्तविक उपभोक्ताओं को निम्नलिखित शर्तों के अधीन (1) पूंजीगत माल (जैसे नया हो या पुराना हो), (2) उत्पाद विविधीकरण और विकास या मूल्यांकन के लिए आविष्कारों और नमूने जो प्रत्येक किस्म में दो नमों से अधिक न हों, (3) डीजल जनरेटिंग सेट (4) कच्ची सामग्री, उपभोग्य और मध्यस्थों, (5) संघटकों, (6) पैकिंग माल (7) हस्ताक्षरित उपस्कर सामग्री जैसे फोर्क लिफ्ट, ओवरहेड ब्रेन्स और भवन निर्माण में संबंधित सामग्री और (8) फालतू पुर्जों के आयात के लिए आवे आवे होने तक सामान्य अनुमति देती है। लेकिन, इस नीति के परिशिष्ट 2 भाग-क के अंतर्गत धरेलू टैरिफ क्षेत्र में आयात के लिए निषेध मंत्रों के 100 प्रतिशत निर्यात अभिमुख एककों द्वारा खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत आयात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी :—

- (1) आयातक 100 प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट के रूप में सरकार द्वारा अनुमोदित होना चाहिए।
- (2) आयात वास्तविक उपभोक्ता शर्त के अधीन होगा।
- (3) माल का आयात कस्टम्स बांडिड कारखाने में किया जाएगा।
- (4) पूर्ण उत्पादन और प्रचालन कस्टम्स बांडिड कारखाने में किया जाएगा।
- (5) कस्टम्स बांडिंग के लिए लागू क्रियाविधि का अनुसरण किया जाएगा जिसमें आयात के प्लन के कारखाने तक माल के ले जाने के उद्देश्य के लिए यात्रा बाण्ड शामिल होगा।
- (6) 100 प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट स्थापन करने के लिए अनुमोदन देने के लिए 5 प्रतियोगिता या सरकार द्वारा गठित बोर्डों को निर्धारित करे, उन प्रतियोगिता तक आशेष को छोड़कर पूर्ण उत्पादन का निर्यात किया जाएगा।
- (7) उत्पादन के लिए 20 प्रतिशत का न्यूनतम मूल्य संकलन आवश्यक होगा। धरेलू रूप से अधिप्राप्त कच्चा माल न्यूनतम मूल्य संकलन की गणना के लिए आयात के रूप में समझा जाएगा।
- (8) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में सम्बद्ध औद्योगिक एकक वर्ष के दौरान आयातित मर्चों और उनके लागत-बोमा-मांडा मूल्य का और निर्यातित उत्पाद और उनके जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का हिस्सा सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को देगा। इस हिस्से का विवरण और ऐसी अन्य विवरणों जो अनुमोदन बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाएँ सम्बद्ध औद्योगिक यूनिट के संलग्न सीमा शुल्क अधिकारी के माध्यम से लाइसेंस प्राधिकारी को भेजी जाएंगी।
- (9) यूनिट उन सभी शर्तों का पालन करेगी जिनके अधीन आयातित माल पर यूनिटों के मामले में सीमाशुल्क के भुगतान की छूट है।
- (10) इस प्रावधान के अंतर्गत यूनिट द्वारा किए गए निर्यात आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस के लिए प्रावधान प्रदान नहीं करेंगे।
- (11) सेक्रेड हेड पूंजीगत माल के आयात के लिए, आयातक के माल की निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारी को आयात के देश के किसी व्यावसायिक स्वतन्त्र मन्त्री इंजीनियर/किती भी समतुल्य संस्थान जिससे आयात किया गया हो, से एक प्रमाण-पत्र निम्नलिखित का उल्लेख करते हुए प्रस्तुत करना चाहिए :—
  - (क) संयन्त्र और मशीनरी के विनिर्माता का नाम,
  - (ख) विनिर्माण का वर्ष,
  - (ग) संयन्त्र और मशीनरी की वर्तमान दशा और इसका संभावित शेष जीवन (5 वर्ष से कम संभावित शेष जीवन वाली और 10 वर्ष से अधिक पुरानी मशीनरी का आयात अनुमेष नहीं होगा),
  - (घ) यदि नया खरीदा गया हो तो समतुल्य पूंजीगत माल का लागत-बोमा-मांडा मूल्य,
  - (ङ) यदि कोई हो, तो किए गए सुधार/परम्पत की किस्म और वह तिथि(याँ) जब यह किया गया था।
  - (च) सम्बन्ध द्वारा पृथी गई कीमत के सम्बन्ध में राय और ऐसी राय के लिए आधार,

2. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में निर्यात आयुक्त की सिफारिश पर ऐसे एकक अपने खुद के उत्पादन/उपयोग उत्पाद विविधीकरण और विकास या मूल्यांकन के लिए भी निम्नलिखित का आयात कर सकते हैं :—

- (i) पैरा 1 में न आने वाले आदिरूप और तकनीकी नमूने,
- (ii) माइक्रो फिल्म सहित ड्राइंग्स, ब्लू प्रिंट्स, चार्ट्स, तकनीकी आकड़े और
- (11) कार्यालय उपकरण, फालतू पुर्जों और उनकी उपयोग्य सामग्री।

3. जो औद्योगिक यूनिटें कम से कम पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान अपने उत्पादन का 100 प्रतिशत निर्यात करती रही हैं, परन्तु 100 प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट योजना के अधीन सरकार द्वारा अनुमोदित नहीं की गई है, उनके लिए भी पूंजीगत माल (चाहे नया हो या पुराना) के आयात के लिए खुले सामान्य लाइसेंस के प्रावधान उगाह जाने योग्य सीमा-शुल्क के भुगतान पर निम्नलिखित शर्तों के अधीन लागू होंगे :—

- (i) पुराने पूंजीगत माल का आयात करते समय आयातक को सीमा-शुल्क से माल की निकासी के समय उप-अनुच्छेद (ii) में संबंधित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
  - (ii) सीमा-शुल्क के माल की निकासी के समय आयातक को संगत आयात नीति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मुख्य निर्यातक आयात निर्यात, नई दिल्ली से प्राप्त एक निर्यात निष्पादन प्रमाण पत्र इसके साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत करना होगा कि उसने पिछले तीन वित्तीय वर्षों में अपने उत्पादन का 100 प्रतिशत निर्यात किया है।
  - (iii) आवेदक को इस बारे में एक घोषणा यह भी देनी चाहिए कि इस प्रावधान के अन्तर्गत पूंजीगत माल का आयात उसकी अनुसूचित / अनुमोदित क्षमता से अधिक नहीं होगा।
  - (iv) आयात वास्तविक उपयोगी शर्तों के अधीन होंगे।
4. इस प्रकार का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
5. यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार/या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने के किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या डील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगी (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उन से लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

6. यह लाइसेंस वाणिज्य मंत्रालय के आयात व्यापार नियंत्रण आदेश सं० 17/83 दिनांक 15 अप्रैल, 1983 के अतिरिक्त में है।

[मिसिल नं० 1/2/आरईपी/74-ईपीसी(वा० 11)]

ORDER NO. 18/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 1/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 299(E).—In exercise of powers conferred by Section 3 of Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission, till further orders, to the Actual Users approved by Government as 100 percent export-oriented units, for the import or (i) Capital Goods (whether new or second hand), (ii) prototype and technical samples, not exceeding two in number of each type, for product diversification and development or evaluation, (iii) Diesel Generating Set, (iv) raw materials, consumables and intermediates, (v) components, (vi) packing materials, (vii) material handling equipment such as fork lifts, over-head cranes, and building construction materials, and (viii) spares, subject to the following conditions. However, items banned for import in the Domestic Tariff Area under Appendix 2 Part A of this Policy, will not be allowed to be imported by the 100 per cent export oriented units. under the Open General Licence :—

- (1) The importer should be a manufacturer approved by Government as 100 per cent export-oriented unit.
- (2) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (3) The goods shall be imported in customs bonded factory.
- (4) The entire production and operations shall be under customs bonded factory.
- (5) The procedure applicable for customs bonding shall be followed, including transit bond for the purpose of goods being taken from the port of importation to the factory.
- (6) The entire production shall be exported, except rejects upto 5 percent or such percentage as may be fixed by the Board set up by Government for according approval for setting up 100 per cent export oriented units.
- (7) A minimum value added of 20 per cent shall be necessary for production. Domestically produced raw materials shall be treated as imports for computation of minimum value added.
- (8) At the end of each financial year, industrial unit concerned shall give an account of the items and their c.i.f. value imported and the products and their f.o.b. value exported during the year, to the licensing authority concerned. These returns to the licensing authority, and such other returns as may be prescribed by the Board of Approvals, will be sent through the Customs Officer attached to the industrial unit concerned.
- (9) The unit shall comply with all the conditions subject to which payment of customs duty on the imported materials is exempted in its case.
- (10) Exports made by the unit under this provision shall not be eligible for import replenishment licences.
- (11) For import of second-hand Capital Goods, the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent institute in the country from which import is made, indicating :—
  - (a) Name of manufacturer of the plant and machinery;
  - (b) Year of manufacture;
  - (c) Present condition of the plant and machinery and its expected residual life (Import of machinery having expected residual life of less than 5 years and also machinery more than 10 years old shall not be allowed);
  - (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new.
  - (e) Nature of reconditioning/repairs done, if any, and the date(s) on which these were carried out;
  - (f) Opinion regarding the price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.

2. On the recommendation of the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, such units may also import, for the purpose of their own production/use, product diversification and development or evaluation :—

- (i) Prototypes and technical samples not covered in Para 1;
- (ii) Drawings, blue prints, charts, technical data including micro-films; and
- (iii) Office equipment, spares and consumables thereof.

3. The provisions of this Open General Licence will also apply for the import of Capital Goods (whether new or second-hand) by industrial units exporting 100 per cent of

their production already, atleast during the previous three financial years, but not approved as such by Government under the scheme of 100 per cent export-oriented units on payment of customs duty as may be leviable, subject to the following conditions :—

- (i) The importer shall produce at the time of clearance through customs the certificate referred to in sub-clause (11) above, when importing second-hand Capital Goods.
- (ii) At the time of clearance through customs, the importer shall produce Export Performance Certificate obtained from the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, in accordance with the procedures laid down in the relevant import policy, as an evidence of having exported 100 percent of its production in the previous three financial years.
- (iii) The importer should also give a declaration, to the effect that the import of Capital Goods, under this provision will not result in exceeding his licensed/approved capacity.
- (iv) The import shall be subject to Actual User condition.

4. Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

5. The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users-(Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

6. This licence is in supersession of the Ministry of Commerce, Import Trade Control Order No. 17/83 dated the 15th April, 1983.

[File No. 1/2/REP/74-EPC (Vol. XI)]

आदेश संख्या 19/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं०. 18/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का०आ० 300 (अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर, केन्द्रीय सरकार, निजी क्षेत्रों में स्थित वास्तविक उद्योक्तों को आगामी आदेश जारी होने तक वास्तविक उपयोक्ता शर्तों के अनुसार जो कि प्रत्येक मामले में लागू होगी (i) काण्डल, मुक्त व्यापार क्षेत्र और (ii) शांताक्रुज इलक्ट्रानिक निर्यात संसाधन क्षेत्रों में (1) मशीनरी, (2) कच्चे माल (3) संघटकों (4) फालतू पुर्जों (5) उपभोग्य वस्तुओं (6) पैकिंग माल (7) औजार, जिम्स, फिक्चर्स और गैजिज (8) आदिरूप और तकनीकी नमूने जो प्रत्येक किस्म में दो नमों से अधिक न हों और जो उत्पाद के विविधिकरण और विकास या मूल्यांकन के लिए हों (9) डीजल जनरेटिंग सेट के आयात के लिए सामान्य अनुमति देती है। लेकिन, इस नीति के परिशिष्ट-2, भाग-क के अंतर्गत थरेलू टेरिफ क्षेत्र में आयात के लिए विप्रेषण मर्दों को इस खुले सामान्य लाइसेंस क्षेत्र के अंतर्गत मुक्त व्यापार क्षेत्र में आयात किए जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. संबंधित क्षेत्र के विकास आयुक्त की सिफारिश पर ऐसा वास्तविक उपयोक्ता अपने उत्पादन/उपयोग, उत्पाद के विविधिकरण और विकास के लिए (1) पैरा-1 में न आने वाले आदिरूपों और तकनीकी

नमूने (2) ड्राइंग, चार्ट्स, टेक्नीकी आंकड़े, माइक्रो फिल्म ग्राहिन (3) कार्यक्षेत्र उपकरण और उनके फालतू पुर्जों तथा उपभोग्य सामग्रों भी आयात कर सकते हैं।

3. ऐसे वास्तविक उपयोक्ता (1) जोर में उनके द्वारा मरम्मत/पुनः सुधार करने और तत्पश्चात् पुनः निर्यात करने के लिए प्राप्त किए गए माल का या (2) वास्तविक उपयोक्ता द्वारा विदेशी समरकों को माल भेजने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के दौरान वापस किए गए माल का आयात भी कर सकते हैं (विदेशी मुद्रा विनियम के अंतर्गत संबंधित कार्रवाई पूर्ण करने के पश्चात्)

4. आयातक निर्धारित फार्म में आयात, उपभोग और नवी आयातित सामग्री के उपयोग और उनके द्वारा किए गए निर्यात का पूर्ण व्योम रखेगा और यथा अपेक्षित विकास आयुक्त और संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी को समय-समय पर उन्हें भेजेगा। आयातक सरकार द्वारा उसके मामले में निर्धारित न्यूनतम मूल्य सकलन शर्त के अनुकूल आयात करेगा।

5. यह अनुमति किसी भी अन्य विप्रेषण के अंतर्गत आने वाले सामान्य या आयात को प्रभावित करने वाले विनियम, जो उन मूल्य लागू होंगे जब ऐसे माल का आयात किया जाता है तो उनके लिए लागू करने के विचार पर ध्यान दिए बिना दी होगी।

6. यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने में किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या ढील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

7. यह लाइसेंस वाणिज्य मंत्रालय, आयात व्यापार नियंत्रण आदेश सं० 18/83, दिनांक 15 अप्रैल, 1983 के अतिक्रमण में है।

[सि० सं० 1/2/16/आरईपी/84-ईपीसी (वोल्यूम II)]

ORDER NO. 19/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 18/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 300(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission, till further orders, to the Actual Users located in the respective Zones or the import of (1) Capital Goods (2) raw materials (3) components (4) spares (5) consumables, (6) packing materials, (7) tools, jigs, fixtures and gauges, (8) prototype and technical samples not exceeding two in number of each type for product diversification and development or evaluation, (9) Diesel Generating set into (i) the Kandia Free Trade Zone, and (ii) the Santacruz Electronics Export Processing Zone, subject to the Actual User condition as applicable thereto in each case. However, items banned for import in the Domestic Tariff Area under Appendix 2 Part A of this Policy, will not be allowed to be imported in the Free Trade Zones, under this Open General Licence.

2. On the recommendation of the Development Commissioner of the concerned Zone, such Actual Users may also import for the purpose of their own production/ use, product diversification and development or evaluation (i) prototype and technical samples not covered in para 1, (B) drawings blue prints, charts, technical data including microfilms and (iii) office equipments, spares and consumables thereof.

3. Such Actual Users may also import goods received (i) for their own production/ use by them in the zone and to be exported therefrom or (ii) back from the consignees overseas within a period of three years from the date of their despatch to him by the Actual User (after following the connected formalities under the Foreign Exchange Regulations Act).

4. The importer shall maintain in the prescribed form proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports made by him and submit them periodically as required to the Development Commissioner of the Zone and to the licensing authority concerned. The importer shall conform to the minimum value added condition stipulated by Government in his case.

5. This licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibitions or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported.

6. This licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

7. This licence is in supersession of Ministry of Commerce Import Trade Control Order No. 18/83 dated the 15th April, 1983.

[File No. 1/2/XVI/REP/74-EPC (Vol. XI)]

आदेश सं० 20/84

नया सभामन्त्र लाइसेंस सं० 19/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का० आ० 301 (अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से पूंजीगत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

(1) पात आयातक निम्नलिखित होंगे :—

- (1) सर्वश्री कोल इंडिया लि०
- (2) सर्वश्री नवेली लिग्नाइट कार्पोरेशन लि०
- (3) सर्वश्री भारत कोकिंग कोल लि०
- (4) सर्वश्री सेंट्रल कोल फील्ड्स लि०
- (5) सर्वश्री ईस्टर्न कोल फील्ड्स लि०
- (6) सर्वश्री वेस्टर्न कोल फील्ड्स लि०
- (7) सर्वश्री सेंट्रल माइन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इंस्टीट्यूट लि०
- (8) सर्वश्री सिंगरेनी कोलरिज कम्पनी लि०

(2) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रखा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किया जाएगा।

(3) आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्ड-I) के परिशिष्ट-1 भाग-क में उल्लिखित पूंजीगत माल के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। पूंजीगत माल की अन्य मदों के संबंध में (परिशिष्ट-1 भाग ख में दर्शाई गई मदों को छोड़कर), आयात महाविदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त की जाने वाली देशी दृष्टिकोण से निकासी के अधीन होगा। परिशिष्ट-1 भाग ख में दर्शाई गई मदों के लिए देशी दृष्टिकोण से निकासी की आवश्यकता नहीं होगी।

(4) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा।

(5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-3 की शर्त-1 के भी अधीन होगा।

(6) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित किया गया हो।

(7) भारत को ऐसे माल का लदान किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च, 1985 को या इससे पूर्व, या 28-2-1985 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पूंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे 31 मार्च, 1986 को या इससे पूर्व भारत को कर दिया गया हो।

(8) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई विषय या विनियम लागू होगा, तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(9) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो, तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या ऋण प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

[मिनिम सं० आईपीसी-3/2/84]

ORDER NO. 20/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 19/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 301(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods, subject to the following conditions :—

(1) The eligible importers will be :—

- (i) M/s. Coal India Limited.
- (ii) M/s. Neyveli Lignite Corporation Limited.
- (iii) M/s. Bharat Coking Coalfields Limited.
- (iv) M/s. Central Coalfields Limited.
- (v) M/s. Eastern Coalfields Limited.
- (vi) M/s. Western Coalfields Limited.
- (vii) M/s. Central Mine Planning and Design Institute Limited.
- (viii) M/s. Singareni Collieries Company Limited.

(2) Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purposes.

(3) Capital Goods mentioned in Appendix 1 Part-A of Import and Export Policy, 1984-85 (Volume I) will not be allowed to be imported. In respect of other items of capital Goods (excluding those appearing in Appendix 1 Part-B) import shall be subject to indigenous clearance to be obtained from DGTD, New Delhi. No indigenous clearance will be necessary for items appearing in Appendix 1 Part-B.

(4) The import shall be subject to Actual User condition.

(5) The licence shall also be subject to the condition No. (1) in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

(6) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

(7) Such Goods are shipped on through consignment to India on or before 31-3-1985 or on or before 31st March, 1986 against firm contracts entered

into and registered with a foreign exchange dealer (bank) or on before 28-2-1985 without any grace period whatsoever.

- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (9) The Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

आदेश संख्या 21/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं 20/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

कां.आ. 302(अ):— आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश के विकलांग व्यक्तियों द्वारा मोटर कार का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:-

- (1) आयात की जाने वाली मोटर कार विशेष रूप से सम्बद्ध पात्र विकलांग व्यक्तियों के लिए डिजाइन की हुई या बनाई हुई हो;
- (2) पात्र आयातक यह विकलांग व्यक्ति होगा जिसे आयात की जाने वाली कार पर भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली द्वारा सीमा शुल्क कर से छूट दी गई हो। आयातक उसके प्रयोग में निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक राश्व प्रस्तुत करेगा।
- (3) आयात की जाने वाली मोटर कार में उसी क्षमता, प्रचलन शक्ति, बैठने के स्थान और अन्य विशिष्टकरण वाले होने चाहिए, जिसके लिए वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली ने संबद्ध आयातक को कम सीमा शुल्क कर लगाकर छूट प्रदान की है।
- (4) आयातित मोटर वाहन, "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन संबद्ध विकलांग व्यक्ति के व्यक्तिगत उपयोग के लिए होगा और इसे किसी भी समय बेचा नहीं जाएगा या हस्तांतरित नहीं किया जाएगा या अन्यथा रूप से निपटारा नहीं जाएगा या किसी व्यक्ति के पास गिरवी/रहन नहीं रखा जाएगा और किसी भी समय विपयाधीन मोटर कार के स्वामित्व को दूसरे को नहीं सौंपा जाएगा।
- (5) आयातित मोटर कार दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार प्रथम बिक्रित नहीं की गई हो।
- (6) आयातित मोटर भारत में किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च, 1985 को या इससे पूर्व परेषण के लिए लावे दी गई हो।
- (7) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या वीस प्रदान नहीं करता है आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।
- (8) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या वीस प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक

उपयोगिता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उस से लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ORDER NO. 21/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 20/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 302(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, motor cars by disabled persons, subject to the following conditions :—

- (1) The motor car to be imported shall be that specially designed or adapted for use by the disabled eligible person concerned.
- (2) The eligible importer shall be the disabled person who is granted customs duty relief by the Department of Revenue, Ministry of Finance, Government of India, New Delhi, on the same car that is being imported. The importer shall produce evidence in support of this to the customs authority at the time of clearance.
- (3) The motor car to be imported should have the same engine capacity, horse power, seating capacity and other specifications, for which the Department of Revenue, Ministry of Finance, New Delhi have granted relief of by way of lower customs duty to the concerned importer.
- (4) The imported motor vehicle shall be for personal use of the concerned disabled person, subject to 'Actual User' condition, and it shall not at any time be sold or transferred or otherwise disposed of or pledged/hypothecated with any person and the importer shall not also part with possession of the motor car, in question, at any time.
- (5) The imported car has not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (6) The imported car is shipped through consignment to India on or before 31st March, 1985, without any grace period whatsoever.
- (7) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are permitted.
- (8) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

आदेश सं.: 22/84

खुला सामान्य लाइसेंस सं.: 21/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

कां.आ. 303(अ):— आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिन्हें 1) के अंतर्गत भारत में न रहने वाले भारतीयों को उपलब्ध सुविधाओं के अधीन वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) द्वारा पूंजीगत माल, कच्ची सामग्री, संघटकों, उपभोग्य और फालतु पुर्जों का दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण

पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से आयात निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है:-

(1) पात्र आयातक, भारतीय अतिवासी होगा (जिसमें वह अतिवासी भारतीय शामिल हैं, जिनमें विदेशी राष्ट्रीयता प्राप्त कर ली हो और वह व्यक्ति विदेश में रहने वाला मूल रूप से भारतीय हो और वह कंपनियाँ, व्यापार संस्थाएँ, समितियाँ और इसी प्रकार के अन्य महत्कारी निकाय शामिल हैं, जिनमें पात्र अतिवासी व्यक्तियों का कम से कम 60% का हिस्सा हो)।

(2) ऐसा पात्र व्यक्ति या तो भारत में उद्योग स्थापित करने के लिए निवास करने के लिए, भारत वापस आना या विद्यमान उद्योग के विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण के लिए पूंजी लगाने सहित उस उद्योग में पूंजी लगाएगा, जिसमें पात्र व्यक्ति या ऊपर (1) में संदर्भित कंपनियाँ आदि का केवल 40 प्रतिशत तक शेयर हो।

(3) सीमाशुल्क के माध्यम से माल की निकासी के समय उपर्युक्त (1) और (2) के अंतर्गत दायी पावता दिखाने के लिए आयातक सत्यापनक साध्य प्रस्तुत करेगा।

(4) इस लाइसेंस के अधीन पात्र व्यक्ति मशीनरी और संबंधित कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और फालतू पुर्जों का अयात निर्धारित शर्तों के अधीन भारत में उद्योग में उपयोग के लिए विदेश में कमाई गई अपनी विदेशी मुद्रा और स्रोतों से खरीद कर वास्तविक उपयोग शर्तों के अंतर्गत कर सकता है, भारत में घन परेषण करके नहीं। आयातित मशीनरी और अन्य माल का उपयोग आयातक द्वारा भारत में स्थापित किए जा रहे उस उद्योग में किया जाएगा जिसमें आयातक लागू नीति के अनुसार घन लगा रहा हो। सीमाशुल्क से निकासी के समय आयातक यह घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा, कि:-

(क) आयातित मशीनरी और अन्य माल आयातक द्वारा विदेश में कमाई से/स्रोतों में खरीदा गया है और उसमें भारत से कोई भी घन परेषण शामिल नहीं है; और

(ख) सीमाशुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से तीन महीने के भीतर आयातक विपयाधीन मशीनरी और अन्य माल के अयात के विषय में उस राज्य के उद्योग निदेशालय को सूचित करेगा जिसमें मशीनरी का उपयोग किया जाएगा।

(5.1) जनेरेटिंग सैट्स, कम्प्यूटर सिस्टम, कार्यालय उपकरण, आदि-रूपों और आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-1 भाग-क में प्रतिबंधित पूंजीगत माल और आयात-निर्यात नीति 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-1 (भाग-ख) में जो शामिल हैं, उनसे भिन्न पुराने (प्रयुक्त) पूंजीगत माल के आयात की अनुमति इस लाइसेंस के अधीन नहीं दी जाएगी।

(5.2) इस खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत उन अप्रवासी भारतीयों और अन्य पात्र श्रेणी के मछरी पकड़ने के जाल बनाने के लिए मशीनरी के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी जो स्वयं भारत में स्थाई रूप से रहने के लिए नहीं लौट रहे हैं।

(6.1) निम्नलिखित मर्दों में से औद्योगिक लाइसेंस विनियमों के अधीन एक या अधिक का निर्माण करने वाले इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों के लिए पूंजीगत माल के आयात के लिए कोई भी उच्च सीमा नहीं होगी:-

- (1) इलेक्ट्रॉनिकी संघटक (एल एम आई ए पी एन एन आई);
- (2) इलेक्ट्रॉनिकी घंटा;
- (3) टेप रिकार्डिंग;
- (4) टू-ईन-वन्स;
- (5) हीन-कि उपकरण;

(6) इलेक्ट्रॉनिकी अध्यापन सहाय;

(7) औद्योगिक और संसाधन नियंत्रण सिस्टम;

(8) प्रमुख मंत्रिमंडल, र. डार्म, नौ-परिवहन मंडल के संचार उपकरण; और

(9) इलेक्ट्रॉनिकी चिकित्सा उपकरण।

(6.2) राडार, नौ-परिवहन सहाय और संबन्ध उपकरण का निर्माण करने वाले यूनियों के संबंध में निर्माण कार्य आरंभ करने के पहले इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, लोकनाथ भवन, नई दिल्ली में विशेष पूर्व अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा;

(6.3) इस प्रावधान के अंतर्गत कठपुतियों के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(6.4) पात्र आयातक को उपर्युक्त शर्तें स० (6.1) में उल्लिखित मर्दों और उपकरणों के निर्माण के लिए अतिरिक्त किसी भी पूंजीगत माल के आयात की अनुमति दी जाएगी। आयात के लिए देशी वृष्टिकांश से किसी प्रकार की निकासी की आवश्यकता नहीं होगी।

(6.5) उपर्युक्त (6.1) में सूचीबद्ध उद्योगों के प्रस्तुत लाइसेंस के अंतर्गत कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति भी औद्योगिक यूनियों को केवल प्रथम 12 मर्दों के आयात के लिए दी जाएगी। परिशिष्ट 2 और 5 में आई हुई मर्दों की अनुमति भी खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत नहीं दी जाएगी। आयात-निर्यात नीति 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-3 में प्रदर्शित मर्दों के लिए इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, नई दिल्ली से पूर्व निकासी प्राप्त करना होगी और ऐसी निकासी आयात के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत की जाएगी।

(7) उपर्युक्त उप-पैरा (6.1) में उल्लिखित उद्योगों से भिन्न उद्योगों के मामले में आयातित मशीनरी का मूल्य 20 लाख रुपए (अवतरण लागत) से अधिक नहीं होगा और जिस यूनिट में आयातित मशीनरी का उपयोग किया जाएगा उसमें संयंत्र और मशीनरी में लगी हुई कुल पूंजी का मूल्य नव पैमाने के उद्योगों के लिए निर्धारित उच्च मान से अधिक नहीं होगा।

(8) इस लाइसेंस के उप-पैरा (7) के अंतर्गत मशीनरी का आयात करने के लिए पात्र व्यक्ति भी अपनी प्रथम 12 मर्दों को अवतरण पूर्ण करने के लिए कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और फालतू पुर्जों के मूल्य में 5 लाख रुपए (लागत-बीमा-भाड़ा) से अधिक नहीं, के अंतर्गत इस लाइसेंस के अधीन कर सकते हैं। परिशिष्ट-2 और 5 में आई हुई मर्दों के आयात की अनुमति इस खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत नहीं दी जाएगी। आयात-निर्यात नीति, 1984-85 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-3 में प्रदर्शित मर्दों के लिए मशीनरी विभाग, लोकनाथ भवन, नई दिल्ली या इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, नई दिल्ली, जैसा भी मामला हो, उनसे पूर्व निकासी प्राप्त करना होगी और वह आयात के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा। आयातित माल का उपयोग उसी यूनिट में किया जाएगा जिस लिए इस लाइसेंस के अधीन मशीनरी का आयात किया गया है।

(9) जो व्यक्ति बसने के लिए भारत वापस आ रहे हैं, उनके मामले में तो लगाई गयी पूंजी और न लाभानों को विदेश में प्रत्यावर्तित करने की अनुमति दी जाएगी। अन्य मामलों में प्रत्यावर्तन की सुविधा समय-समय पर यथा लागू सरकार की नीति के अधीन होगी।

आयात, वास्तविक उपयोग शर्तों के अधीन होगा। पूंजीगत माल के लिए पांच साल की अवधि तक कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।

(11) संवद्ध औद्योगिक यूनिट को प्रस्तुत लाइसेंस के अधीन पूंजी माल के प्रथम परेषण के आयात की तिथि से 12 मर्दों की अवधि



भीतर इस संबंध में लागू नीती और क्रिया-विधियों के अनुसार, महानिदेशालय, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से या राज्य के उद्योग निदेशक या अन्य संबंध प्राधिकारियों से औद्योगिक लाइसेंस या पंजीकरण प्राप्त करना होगा;

(12) पात्र आयातक, विदेशी मुद्रा विनियमों का अनुपालन करेंगे और लागू नियमों के अधीन यथा अपेक्षित विदेश में शेष विदेशी मुद्रा रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की आवश्यक अनुमति प्राप्त करेंगे;

(13) इस प्रकार आयातित माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिम अफ्रीका में निर्यात न हो।

(14) भारत को ऐसे माल का लदान, परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना चाहे जो कुछ भी हो 31.3.1985 को या इससे पूर्व या नीचे संकेतिक तिथियों को कर दिया जाता हो:—

(क) उन कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री के मामले में 30.6.85 को या इससे पूर्व जिनके लिए 28.2.1985 को या इससे पूर्व अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र खोल दिए जाते हैं;

(ख) उन पूंजीगत माल और फालतू पुर्जों के मामले में 31.3.86 को या इससे पूर्व जहां 28.2.1985 को इससे पूर्व एक पक्की सविदा कर ली गई हो और उसे विदेशी मुद्रा का लेन देन करने वाले बैंक के पास पंजीकृत कर दिया गया हो।

(15) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा;

(16) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या ढील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन करना चाहिए।

[मिनिस्टर सचिवा अई०पी०सी०/३/२/८४]

ORDER NO. 22/84

OPEN GENERAL LICENCE NO. 21/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 303(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods, raw-materials, components, consumables and spares by Actual Users (Industrial), under the facilities available to non-resident Indians in the Import & Export Policy for 1984-85 (Vol. I) subject to the following conditions:—

- (1) The eligible importers shall be non-resident Indians (which includes non-resident Indians who have acquired foreign nationality, persons of Indian origin residing abroad, and companies, firms, societies and similar other corporate bodies owned to the extent of at least 60 per cent by eligible non-resident persons).
- (2) Such eligible person shall either return to India for settlement, for setting up an industry in India, or shall make investment in an industry, including investment for expansion, diversification or modernisation of an existing industry in which the share of the eligible person(s) or companies etc. referred to in (1) above, shall be only upto 40 per cent.
- (3) At the time of clearance of goods through Customs, the importer shall produce satisfactory evidence to establish his eligibility under (1) and (2) above.
- (4) Eligible persons can import machinery and connected raw-materials, components, consumables and

spares under this Licence, subject to 'Actual User' condition, purchased out of the importer's foreign exchange earnings & resources abroad, with no remittance from India, for use in an enterprise in India, subject to the conditions stipulated. The imported machinery and other materials shall be used in the industry being set up by the importer in India or for use in the industry in India in which the importer will be investing, in accordance with the policy in force. At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish a declaration that:—

- (a) The imported machinery and other materials has been purchased out of importers earnings/resources abroad, and does not involve any remittance from India; and
  - (b) Within three months of the date of clearance from the Customs, the importer shall inform about the import of the machinery and other materials, in question, to the Director of Industries of the State in which the machinery shall be used.
- (5.1) Import of generating sets, computer system, office equipment, proto-types, and restricted Capital Goods in Appendix-1 Part-A of Import & Export Policy, 1984-85 (Vol. I) and second hand (used) Capital Goods except those covered by App. 1 Part-B of Import & Export Policy 1984-85 (Vol. I) shall not be allowed under this Licence.
  - (5.2) Import of fishnet making machinery will not be allowed under O.G.L. by those non-resident Indians and other eligible category not themselves returning to India for permanent settlement.
  - (6.1) There will be no upper limit for import of Capital Goods meant for electronic industries manufacturing one or more of the following subject to industrial licensing regulations:—
    - (i) Electronic components (other than LSI, VLSI);
    - (ii) Electronic instruments;
    - (iii) Tape recorders;
    - (iv) Two-in-ones;
    - (v) Hi Fi equipment;
    - (vi) Electronic teaching aids;
    - (vii) Industrial and process control system;
    - (viii) Major sub systems, radar, navigational aides and communication equipment; and
    - (ix) Electronic medical equipment.
  - (6.2) In respect of units manufacturing radars, navigational aides and communications equipment, a specific prior approval of the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi shall be necessary before taking up manufacture;
  - (6.3) Manufacture of computers shall not be allowed under this provision;
  - (6.4) The eligible importer will be allowed to import any Capital Goods necessary for the manufacture of the items and equipments mentioned in condition No. (6.1) above. No clearance from indigenous angle would be required for import;
  - (6.5) For industries listed in (6.1) above, import of raw-materials, components, consumables, and spares, will also be allowed under this licence, to meet only the first 12 months requirements of the industrial unit. Items appearing in Appendix 2 and 5 will not be allowed under O.G.L. Items appearing in Appendix 3 of Import-Export Policy 1984-85 (Volume I) shall require prior clearance of the Department of Electronics, New Delhi and such clearance shall be produced to the customs authority at the time import. Imported materials shall be used in the same unit for which the machinery under this licence is imported.

- (7) In the case of industries other than those mentioned in sub-para (6.1) above, the value of machinery imported shall not exceed Rs. 20 lakhs (landed cost) and the unit in which imported machinery shall be used will not have a total capital investment in plant and machinery of a value more than the upper limit fixed for small scale industries.
- (8) Persons eligible to import machinery under sub-para (7) of this Licence, can also import raw materials, components, consumables and spares for meeting their first 12 months requirements under this Licence, subject to a maximum of Rs. 5 lakhs (cif) in value. Items appearing in Appendices 2 & 5 will not be allowed under O.G.L. For items appearing in Appendix 3 of the Import & Export Policy, 1984-85 (Vol. I), prior clearance from DGTD, New Delhi or the Department of Electronics, New Delhi, as the case may be, shall be obtained and produce to customs authority at the time of import. Imported material shall be used in the same unit for which the machinery under this licence is imported.
- (9) Neither the capital investment nor dividends shall be allowed to be repatriated abroad in the case of those returning to India for settlement. In other cases, repatriation facilities will be subject to Government's policy as in force from time to time.
- (10) Import shall be subject to 'Actual User' condition. No permission for sale of Capital Goods shall be allowed for a period of five years;
- (11) The industrial unit concerned will be required to obtain industrial licence or registration with the DGTD, New Delhi or State Director of Industries or other authorities concerned, in accordance with the policy and the procedures in force in this regard within a period of 12 months from the date of import of first consignment of Capital Goods under this Licence.
- (12) The eligible importers shall abide by the foreign exchange regulations and obtain necessary permission of the Reserve Bank of India to retain foreign currency balances abroad as required under the rules in force;
- (13) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (14) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1985 or on the dates mentioned below, without any grace period whatsoever :—
- On or before 30th June, 1985 in the case of raw-materials, components and consumables for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before 28th February, 1985.
  - On or before 31st March, 1986 in the case of Capital Goods and spares where a firm contract has been entered into and registered with a foreign exchange dealer (bank) on or before 28th February, 1985.
- (15) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are permitted;
- (16) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation

or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/84]

आदेश सं० 23/84

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1984

का०आ० 304(अ)—आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 में आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश की रचना करता है:—

(1) इस आदेश को आयात (नियंत्रण) प्रथम संशोधन आदेश, 1984 की संज्ञा दी जाएगी।

(2) आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 में:—

(1) वर्तमान शब्दों "इलेक्ट्रॉनिक मर्चें" के बाद उप-अनुच्छेद 8 (जी जी) में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:—

"मूल्य में 500 रुपए से अधिक"

(2) वर्तमान प्रावधानों को नीचे दिए के अनुसार संशोधित किया जाएगा:—

"बशर्ते कि उपर्युक्त आयातित माल का किसी भी एक समय में लागत बीमा-भाड़ा मूल्य 1250 रुपए से अधिक नहीं होगा।"

[मिसिल सं० आईटीसी(एचबी) अध्याय, 1/84-85]

प्रकाश चन्द्र जैन, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

ORDER NO. 23/84

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 304(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Imports (Control) Order, 1955 :—

(1) This order may be called the Imports (Control) First Amendment Order, 1984.

(2) In the Imports (Control) Order, 1955 :—

(i) In sub-clause (viii) of clause 11(1), after the existing words 'electronic items', the following shall be added :—

"exceeding Rupees five hundred in value".

(ii) The existing proviso shall be amended as under:—

"Provided that the c.i.f. value of goods imported as aforesaid at any one time shall not exceed rupees one thousand two hundred and fifty".

[File No. ITC(HB)/Chapter-I/84-85]

P. C. JAIN, Chief Controller of Imports & Exports